RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 24 डिग्री
न्युनतम तापमान 11 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 23 डिग्री
न्युनतम तापमान 11 डिग्री

बुधवार 26 नवंबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06:52 बजे
सूर्यास्त सांय 17: 24 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 'हमेशा ऑनलाइन' रहने के मायाजाल की दौड़ में थकते युवा

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 17 | अंक : 040 | गाजियाबाद, बुधवार 26 नवंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

नरेंद्र मोदी ने गुरु तेग बहादुर को किया नमन

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। प्रधानमंत्री ने मंगलवार को गुरु तेग बहादुर को उनकी शहादत की 350वीं वर्षगांठ पर श्रद्धापूर्वक उन्हें नमन किया।श्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, " श्री गुरु तेग बहादुर जी की शहादत की 350वीं वर्षगांठ पर हम उनके अद्वितीय साहस और बलिदान को नमन करते हैं। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर गुरु के विश्वास और इंसानियत की रक्षा के लिए बेमिसाल साहस और बलिदान को याद किया। श्री मोदी ने कहा, " श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर, हम उनके बेमिसाल साहस और बलिदान को नमन करते हैं। आस्था और इंसानियत की रक्षा के लिए उनकी शहादत हमारे समाज को हमेशा रोशन करती रहेगी।" उन्होंने कहा कि आस्था और मानवता की रक्षा के लिए उनकी शहादत हमारे समाज को सदैव आलोकित करेगी। एक अप्रैल, 1621 को अमृतसर के गुरु के महल में जन्मे तेग बहादुर, गुरु हरगोबिंद के सबसे छोटे पुत्र और नौवें सिख गुरु थे। गुरु तेग बहादुर 24 नवंबर, 1675 को इस्लाम कबूल करने से इनकार करने और सताये गये कश्मीरी पंडितों के अधिकारों के लिए हिम्मत से खड़े होने लिए शहीद हो गये थे।

बंगलादेश में रूढिवादी ताकतों के लंबे समय तक सक्रिय रहने की संभावना कम : पूर्व वायु सेना प्रमुख

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। भारतीय वायु सेना के पूर्व प्रमुख एयर चीफ मार्शल अरूप राहा ने कहा है कि बंगलादेश में शेख हसीना सरकार के अपदस्थ होने के बाद रूढ़िवादी ताकतें ज्यादा सक्रिय हुई हैं लेकिन इस बदलाव के लंबे समय तक बने रहने की संभावना नहीं है क्योंकि बंगलादेश का सामाजिक ताना-बाना स्वाभाविक रूप से उदार और शांतिप्रिय है। पूर्व एयर चीफ मार्शल ने यूनीवार्ता को दिए गए एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि मौजूदा वैचारिक मंथन को सावधानी के साथ ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य से भी देखा जाना चाहिए। उन्होंने दृढ़ता से कहा, ' बांग्लादेश के लोग स्वभाव से धर्मनिरपेक्ष और शांतिप्रिय हैं। इसलिए रूढ़िवादिता की ओर यह रुझान अल्पकालिक होगा।' जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) और अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) जैसे आतंकवादी समूहों का उदय और 1971 के बंगलादेश मुक्ति संग्राम में पाकिस्तान का समर्थन करने वाले जमात-ए-इस्लामी की राजनीतिक वापसी ऐसे कुछ मुद्दे रहे हैं जिनसे पर्यवेक्षक चिंतित हैं।

राहुल-प्रियंका ने गुरु तेग बहादुर की शहीदी दिवस पर उन्हें किया नमन

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस महाचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को गुरु तेग बहादुर साहिब की 350वें शहीदी पर्व पर उन्हें नमन करते हुये कहा कि उनका बलिदान सभी के लिए हमेशा प्रेरणादायक रहेगा। श्री गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, 'सिख धर्म के नौवें गुरु, 'हिंद की चादर' श्री गुरु तेग बहादुर जी की शहीदी दिवस पर उन्हें सादर नमन। उनके आदर्श, मूल्य, त्याग और बलिदान मानवता के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेंगे।'

तृणमूल नेताओं से मिलने पर चुनाव आयुक्त ने जतायी सहमति

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल सहित 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जारी मतदाता सूचियों विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बीच तृणमूल कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल को मिलने के लिए शुक्रवार को बुलाया है। पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी की ओर से आयोग से मिलने का समय मांगा गया था। पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी को लिखे पत्र में आयोग ने सोमवार को कहा कि तृणमूल प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को सुबह 11 बजे अपने शीर्ष अधिकारियों से मिल सकते हैं।

भारत को गुलामी की मानसिकता से दूर करके रहूँगा: मोदी

✷ **एनसीआर टुडे. अयोध्या** ✷

प्रधानमंत्री ने मंगलवार को अयोध्या के राम मंदिर के शिखर पर औपचारिक रूप से धर्म ध्वज फहराया और कहा कि भारत को गुलामी की मानसिकता से दूर करके ही रहेंगे। इस दौरान उन्होंने राम के अशितत्व को नकारने वालों को भी निशाने पर लिया।

श्री मोदी के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत भी मौजूद रहे। ऐतिहासिक ध्वजारोहण से ठीक पहले शेषावतार मंदिर में पूजा-अर्चना की। प्रधानमंत्री ने कहा, 'मैं संपूर्ण विश्व के करोड़ों राम भक्तों को इस अविस्मरणीय क्षण की इस अद्वितीय अवसर की शुभकामनाएं देता हूं।'

श्री मोदी ने कहा, 'मैं आज उन सभी भक्तों को भी प्रणाम करता हूं हर उस दानवीर को भी आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने राम मंदिर निर्माण के लिए अपना सहयोग दिया। मैं राम मंदिर निर्माण से जुड़े हर श्रमवीर, हर कारीगर, हर योजनाकार, हर वाश्तुकार का अभिनंदन करता हूं।'

उन्होंने कहा कि आने वाली सदियां और सहस्त्र शताब्दियों तक ये धर्म ध्वज प्रभु राम के आर्दशों और सिद्धांतों का उद्घोष करेगा, ये धर्म ध्वज आह्वान करेगा कि सत्य की जीत होती है असत्य की नहीं। ये धर्म ध्वज उद्घोष करेगा कि सत्य ही ब्रह्म का स्वरूप है। सत्य में ही धर्म स्थापित है। ये धर्म धर्म ध्वज प्रेरणा बनेगा कि प्राण जाए पर वचन न जाए यानी जो कहा वही किया जाए।

श्री मोदी ने कहा, 'आज अयोध्या नगरी भारत की सांस्कृतिक चेतना के एक और बिंदु की साक्षी बन रही है। आज संपूर्ण भारत और विश्व राममय है । हर राम भक्त के हृदय में अपार अलौकिक आनंद है. सदियों के घाव भर रहे हैं। आज सदियों की वेदना विराम पा रही है। सदियों का संकल्प आज सिद्धि को प्राप्त हो रहा है। '

उन्होंने कहा कि हमें जनता के सुखों को सर्वोपरि रखकर आगे बढ़ना है। पांच सौ वर्षों का सपना साकार हुआ है। आने वाले 1000 वर्षों की नीव को मजबूत करना है। श्री मोदी ने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित बनने के लिए राम के आदर्शों को जीना होगा। उन्होंने कहा कि जब हम अपनी जड़ों से कट जाते हैं तो सारा वैभव समाप्त हो जाता है।

गौरतलब है कि 10 फुट ऊंचे और 20 फुट लंबे समकोण वाले तिकोने ध्वज पर एक चमकते सूरज की तस्वीर है, जो भगवान श्री राम की चमक और वीरता का प्रतीक है, और इस पर कोविदार वृक्ष की तस्वीर के साथ 'ॐ' लिखा है। श्री मोदी ने अभिजीत मुहूर्त 11 बजकर 55 मिनट पर ध्वज फहराया। प्रधानमंत्री ने जो धर्म ध्वज फहराया वो राम मंदिर के लिए खास तौर पर तैयार किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर के खिलाफ वाइको की याचिका पर चुनाव आयोग से मांगा जवाब

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एमडीएमके संस्थापक एवं पूर्व राज्यसभा सांसद वाइको के निर्वाचन आयोग के तमिलनाडु में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की अधिसूचना को चुनौती देने वाली याचिका पर नोटिस जारी किया। मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा और मामले को अगली सुनवाई के लिए दो दिसंबर को सूचीबद्ध कर दिया।

श्री वाइको ने दलील दी है कि विशेष गहन पुनरीक्षण की अधिसूचना असंवैधानिक है। उन्होंने आरोप लगाया है कि यह अधिसूचना संविधान के अनुच्छेद 14, 19, 21, 325 और 326 के साथ-साथ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के कई प्रावधानों का उल्लंघन करती है।

तमिलनाडु में मतदाता सूची संशोधन के काम को द्रमुक, माकपा, अभिनेता विजय की टीवीके, सांसद थोल थिरुमावलवन और राज्य विधायक के. सेल्वपेरुंथगई सहित कई अन्य राजनीतिक दलों और नेताओं ने भी चुनौती दी है। इसके विपरीत, अन्नाद्रमुक इस संशोधन के समर्थन में एक आवेदन दायर किया है। इससे पहले, 11 नवंबर को, उच्चतम न्यायालय ने इसी तरह की अन्य याचिकाओं पर निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा था।

ध्वजारोहण यज्ञ की पूर्णाहूति नहीं, बल्कि नए युग का शुभारंभ : योगी

✷ **एनसीआर टुडे. अयोध्या** ✷

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां मंगलवार को राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण समारोह के दौरान कहा कि ध्वजारोहण यज्ञ की पूर्णाहूति नहीं, बल्कि नए युग का शुभारंभ है। प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर 140 करोड़ भारतीयों की आस्था, सम्मान एवं आत्मगौरव का प्रतीक है।

श्री योगी ने अपनी बातों का आगाज सियावर रामचंद्र भगवान, माता जानकी, सरयू मैया की जय, भारत माता की जय और हर हर महादेव के उद्घोष के साथ किया। मुख्यमंत्री के साथ ही समूचा मंदिर परिसर जय-जयकार से गूंज उठा।

मुख्यमंत्री ने भव्य मंदिर के निर्माण में योगदान देने वाले कर्मयोगियों का भी अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि आज का पावन दिन उन पूज्य संतों, योद्धाओं, श्रीरामभक्तों की अखंड साधना-संघर्ष को समर्पित है, जिन्होंने आंदोलन व संघर्ष के लिए जीवन को समर्पित किया। विवाह पंचमी का दिव्य संयोग इस उत्सव को और भी पावन बना रहा है।

उन्होंने कहा कि ध्वजारोहण उस सत्य का उद्घोष है कि धर्म का प्रकाश अमर है और रामराज्य के मूल्य

कालजयी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 में जब नेतृत्व संभाला था, उसी दिन कोटि-कोटि भारतवासियों के मन और हृदय में जिस संभावना, संकल्प व विश्वास का सूर्योदय हुआ, आज वही तपस्या, अनगिनत पीढ़ियों की प्रतीक्षा आपके कर कमलों के माध्यम से साकार होकर भव्य राम मंदिर के रूप में भारतवासियों एवं सनातन धर्मावलंबियों के समक्ष है।

श्री योगी ने कहा कि श्रीराम मंदिर पर फहराता केसरिया ध्वज धर्म, मर्यादा, सत्य-न्याय एवं राष्ट्रधर्म का भी प्रतीक है। यह विकसित भारत की संकल्पना का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संकल्प का कोई विकल्प नहीं होता। सभी ने 11 वर्ष में बदलते भारत को देखा है। हम नए भारत का दर्शन कर रहे हैं, जहां विकास और विरासत का बेहतरीन समन्वय है।

आरएसएस शुरु से ही रहा है संविधान पर हमलावर : कांग्रेस

✷ **एनसीआर टुडे. अयोध्या** ✷

कांग्रेस ने कहा है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ(आरएसएस) शुरु से ही संविधान विरोधी रहा है और इसीलिए इसे अपनाये जाने के तत्काल बाद से ही उसने संविधान पर हमला शुरु कर दिया था। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि 76 साल पहले आज ही के दिन जब संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ भीमराव अम्बेडकर ने सभा के समक्ष भारतीय संविधान का मसौदा पेश किया था और इस मौके पर अत्यधिक ओजस्वी भाषण दिया था जिसे आज भी याद किया जाता है। लेकिन इसके अगले ही दिन आरएसएस ने संविधान पर तीखा हमला शुरु कर दिया था और उसका यह हमला आज भी जारी है।

श्री रमेश ने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने संविधान सभा में संविधान के मसौदे को औपचारिक रूप से अपनाने का प्रश्ताव रखा था। इस भाषण में उन्होंने कांग्रेस के अनुशासन की तारीफ की और कहा कि उसके कारण ही यह व्यवस्थित संविधान तैयार हो सका है। इस मौके पर दिया गया उनका समापन भाषण निस्संदेह 20वीं सदी में दुनिया के किसी भी व्यक्ति द्वारा दिए गए सबसे महान भाषणों में से एक है।

कांग्रेस नेता ने डॉ अम्बेडकर के भाषण के शुरुआती अंश को उद्धृत करते हुए कहा "अपने भाषण के शुरुआती हिस्से में डॉ.आंबेडकर ने कहा था-"ड्राफ्टिंग कमेटी का काम अत्यंत कठिन हो सकता था, यदि यह संविधान सभा केवल एक बेतरतीब भीड़ होती -जैसे बिना सीमेंट का टुकड़ों वाला फर्श, जहाँ कहीं काली पत्थर और कहीं सफेद पत्थर रखा हो और हर सदस्य या समूह अपने आप में एक कानून हो जाता। तब यहाँ केवल अराजकता होती।

लेकिन यह संभावित अराजकता कांग्रेस पार्टी की मौजूदगी के कारण समाप्त हो गई, जो संविधान सभा की कार्यवाही में व्यवस्था एवं अनुशासन की भावना लाई। कांग्रेस पार्टी के अनुशासन के कारण ही मसौदा समिति संविधान सभा में मसौदे को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ा सकी – यह जानते हुए कि प्रत्येक अनुच्छेद और प्रत्येक संशोधन का परिणाम क्या होगा। इसलिए, संविधान के सुचारु रूप से पारित होने का पूरा श्रेय कांग्रेस पार्टी को जाता है।"

सेलिना जेटली ने पति पर घरेलू हिंसा, क्रूरता का केस दर्ज किया

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷

पूर्व मिस इंडिया एवं अभिनेत्री सेलिना जेटली ने स्थानीय अदालत में अपने ऑस्ट्रियाई पति पीटर हाग के खिलाफ घरेलू हिंसा की शिकायत दाखिल की है। जेटली ने याचिका में गंभीर भावनात्मक, शारीरिक व यौन उत्पीड़न के अलावा अभद्र व्यवहार का आरोप लगाया है।

न्यायिक मजिस्ट्रेट एस.सी. ताडये ने मंगलवार को इस याचिका पर सुनवाई करते हुए हाग को नोटिस जारी किया और मामले को अगली सुनवाई के लिए 12 दिसंबर को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। 47 वर्षीय सेलिना जेटली ने करंजवाला एंड कंपनी लॉ फर्म के माध्यम से याचिका दायर की। याचिका में हाग पर घरेलू हिंसा, क्रूरता मारपीट का आरोप लगाया। अभिनेत्री ने दावा किया कि पति द्वारा किए गए गंभीर भावनात्मक, शारीरिक, यौन और मौखिक उत्पीड़न के कारण उन्हें ऑस्ट्रिया स्थित अपना घर छोड़कर भारत लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा।

जेटली और हाग की शादी सितंबर 2010 में हुई थी और उनके तीन बच्चे हैं। जेटली ने अभिनेत्री ने याचिका में आरोप लगाया कि हाग ने इस साल अगश्त में ऑस्ट्रिया की एक अदालत में तलाक की अर्जी दायर की थी।

यौन शोषण मामले में एनसीपीसीआर से संपर्क करें : शीर्ष कोर्ट

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने इस्कॉन द्वारा संचालित स्कूलों में यौन शोषण की कथित घटनाओं की जांच का अनुरोध करने वाले याचिकाकर्ताओं से मंगलवार को कहा कि वे अपनी शिकायतों के लिए राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) से संपर्क करें। न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि यदि उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के राज्य बाल अधिकार आयोगों के समक्ष इस तरह के अभ्यावेदन प्रस्तुत किए जाते हैं, तो उन पर उचित समय में विचार किया जा सकता है। पीठ ने कहा कि हम इस याचिका का निपटारा करते हुए याचिकाकर्ताओं को एनसीपीसीआर, उप्र एससीपीसीआर और पश्चिम बंगाल एससीपीसीआर को एक नया अभ्यावेदन-अनुस्मारक देने की स्वतंत्रता सुरक्षित रखते हैं, ताकि इस याचिका में लगाए गए आरोपों को इन प्रतिवादियों के संज्ञान में लाया जा सके। शीर्ष अदालत रजनीश कपूर और अन्य की ओर से दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

दिल्ली धमाके में गिरफ्तार आतंकी डॉ. मुजम्मिल को फरीदाबाद के अल-फलाह विवि लेकर पहुंची एनआईए

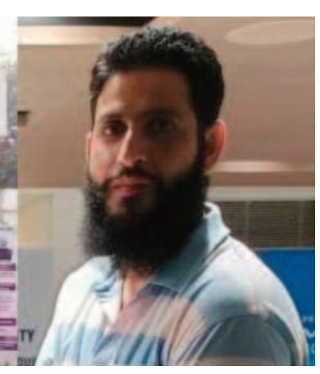

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷

दिल्ली ब्लास्ट में शामिल हरियाणा के फरीदाबाद अल-फलाह यूनिवर्सिटी से गिरफ्तार किए गए आतंकी डॉ. मुजम्मिल शकील को मंगलवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम लेकर फरीदाबाद पहुंची। टीम ने उसे फरीदाबाद, सोहना और फतेहपुर तगा में अलग-अलग जगहों पर ले जाकर करीब चार घंटे तक जांच और पूछताछ की। इस दौरान उसके ठिकानों की बारीकी से पड़ताल की गई।

सबसे पहले राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने मुजम्मिल को अल-फलाह यूनिवर्सिटी लेकर पहुंची, जहां वह पढ़ाई के साथ रह भी रहा था। जांच टीम ने उसके हॉस्टल रूम, पढ़ाई से जुड़े स्थान, मेडिकल केबिन और उन जगहों की शिनाख्त करवाई जहां वह मरीजों का इलाज करता था। टीम ने यह पता लगाया कि परिसर में उसकी गतिविधियां क्या थीं और वह किन छात्रों के संपर्क में रहता था।

टीम ने उसकी अलमारी को भी दोबारा खंगाला। इसके बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी टीम ने उसे उस स्थान पर लेकर गई जहाँ से 360 किलो अमोनियम नाइट्रेट 10-12 सूटकेस में भरा हुआ मिला था।

यहाँ लगभग 15–20 मिनट तक पूछताछ हुई कि यह रसायन क्यों और किस मकसद से जमा किया गया था। इसके बाद टीम फतेहपुर तगा स्थित उस घर में पहुँची, जहाँ से 2,563 किलो अमोनियम नाइट्रेट के 50 कट्टे बरामद किए गए थे।

पूछताछ में मुजम्मिल ने स्वीकारा कि वह दो बार कार में भरकर यह कट्टे यहाँ लाया था और इन्हें आगे किसी बड़ी साजिश के लिए जमा किया जा रहा था।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी टीम मुजम्मिल को सोहना मंडी भी लेकर गई। यहाँ उससे दो बीज भंडारों की पहचान करवाई गई, जिनसे उसका संपर्क रहा था। टीम ने मौके पर विश्तृत पूछताछ की।

संचार साथी ऐप ने ढूंढे 50 हजार खोए हुए मोबाइल फोन, रिकवरी 7 लाख पार

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷

देश में खोए हुए मोबाइल फोनों के लिए दूरसंचार विभाग (डीओटी) का संचारसाथी ऐप संजीवनी का कम कर रहा है। इस ऐप ने अक्टूबर महीने में 50 हजार से ज्यादा खोए हुए मोबाइल बरामद किए हैं। देश में यह पहला मौका है जब एक महीने में इतनी बड़ी संख्या में मोबाइल फोन की रिकवरी की गई। देश में अब तक इस ऐप से 7 लाख से अधिक फोनों को ढूंढा जा चुका है।

दूरसंचार विभाग के अनुसार, कर्नाटक और तेलंगाना इस अभियान में सबसे आगे रहे। दोनों राज्यों में अब तक 1 लाख से अधिक मोबाइल फोन की रिकवरी हुई है। महाराष्ट्र 80 हजार मोबाइल से अधिक रिकवरी के साथ तीसरे स्थान पर है। जून से अक्टूबर के बीच देशभर में फोन बरामदगी में 47 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वर्तमान में संचारसाथी ऐप की मदद से देश में हर मिनट एक से अधिक मोबाइल फोन बरामद किया जा रहा है। रिपोर्ट किए गए मोबाइल में किसी सिम के लगाए जाने पर प्रणाली पंजीकृत नागरिक और संबंधित थाना पुलिस को तत्काल अलर्ट भेजती है। इससे चोरी या गुम हुए मोबाइल फोन के दुरुपयोग को रोकने में मदद मिलती है और रिकवरी की प्रक्रिया तेज होती है।

डीओटी ने बताया कि इस सफलता के पीछे राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की पुलिस, डिजिटल इंटेलिजेंस यूनिट (डीआईयू) और फील्ड फॉर्मेशन के बीच मजबूत समन्वय रहा है। नियमित क्षमता निर्माण कार्यक्रमों और विभिन्न पुलिस बलों के साथ साझेदारी ने धरातलीय प्रतिक्रिया और संचालन क्षमता को और सुदृढ़ किया है।

घरेलू सहायिकाओं के लिए न्यूनतम वेतन 15 हजार करने की मांग

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। घरेलू कामगार समिति ने घरेलू सहायिकाओं के लिए न्यूनतम वेतन 15 हजार रुपये प्रति माह देने की मांग की है। साथ ही घरेलू कामगार बिल 2017 के मुताबिक सहायिकाओं को पंजीकृत करने की भी मांग की है। मॉडल टाउन में आयोजित प्रेस वार्ता में राष्ट्रीय सैनिक संस्था के अध्यक्ष कर्नल (सेवानिवृत्त)टीपी त्यागी ने कहा कि भारत सरकार ने पहले 2008 में और फिर 2010 में घरेलू कामगार एक्ट बनाया परंतु बाद में 2017 में एक घरेलू कामगार बिल आया। यह बिल अब तक भी एक्ट नहीं बन सका है। उन्होंने कहा कि घरेलू साहियिकाओं को अक्सर कम वेतन दिया जाता है और काम ज्यादा लेते हैं। कई बार शारीरिक शोषण भी होता है। उन्होंने कहा कि घरेलू कामगार समिति इन्हें शोषण से बचाएगी। वहीं, समिति की अध्यक्ष मोनिका कश्यप ने मांग की कि घरेलू साहियिकाओं को कम से कम वैधानिक अकुशल श्रमिक की तरह समझा जाए, वेतन न्यूनतम 15 हजार प्रतिमाह हो और 2017 बिल के मुताबिक सहायिकाओं का अनिवार्य रूप से पंजीकरण भी होना चाहिए। समिति सचिव आरती देवी, उपाध्यक्ष नीतू कश्यप, कोमल कुमारी, प्रियंका देवी, आशा देवी, मंजू देवी, गुड़िया देवी, मधु, प्रियंका पासवान, शहनाज, पिंकी मौजूद रहीं।

नशे में हुड़दंग कर रहे युवक ने दरोगा को धक्का दिया

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर के निवाड़ी रोड पर सोमवार रात एक युवक ने नशे में जमकर हुड़दंग मचाया। सूचना पर मौके पर पहुंचे दरोगा को भी युवक ने धक्का देकर नीचे गिरा दिया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। नगर की निवाड़ी रोड पर सोमवार रात करीब दस बजे एक युवक शराब पीकर हंगामा करने लगा। बताया जा रहा है कि युवक आते-जाते लोगों के साथ अभद्रता और मारपीट कर रहा था। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दीं। सूचना पर मौके पर पहुंचे दरोगा को भी युवक ने धक्का दे दिया। धक्का देने से वहां से निकल रही कार पर दरोगा जा गिरे। गनीमत यह रही है कि कार की रफ्तार कम थी,जिस कारण हादसा होने से टल गया। इसके अलावा युवक ने अन्य पुलिसकर्मियों के साथ भी अभद्रता की। बताया जा रहा है कि धक्कामुक्की में दरोगा का मोबाइल भी टूट गया। किसी ने हंगामा का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। हालांकि, हिन्दुश्तान वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। एसीपी ने बताया कि हुड़दंग करने वाले ने अपना नाम लक्षित शर्मा निवासी स्टाफ क्वाटर्स बताया। आरोपी का शांतिभंग की धाराओं में चालान किया गया है।

तालाब किनारे घूमने के लिए ट्रैक बनेगा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। सदरपुर गांव के पास वाले करीब 12 हजार वर्ग मीटर तालाब का सौंदर्यीकरण होगा। इसकी चार दीवारी कर रिटेनिंग वॉल बनेगी। साथ ही तालाब के किनारे मिट्टी डालकर घूमने के लिए ट्रैक बनेगा, जिसपर लोग सुबह शाम सैर कर सकेंगे। इसपर करीब पांच करोड़ रुपये खर्च होंगे। मधुबन बापूधाम योजना के पॉकेट-ई से सटे सदरपुर गांव के पास तालाब है। बरसात के दौरान तालाब का पानी खारी भूखंड व सड़क पर बहने लगता है,जिससे क्षेत्र में रहने वाले लोगों को दिक्कत होती है। इस समस्या को दूर करने के लिए अब प्राधिकरण तालाब के चारों ओर रिटेनिंग वॉल बनाकर लोगों के लिए सुरक्षित और सुंदर बनाया जाएगा। ताकि बरसात के मौसम में पानी ओवरफ्लो न हो और आसपास के प्लाटों में न भरे। साथ ही पानी की निकाली के लिए एक नाली का निर्माण किया जाएगा। तलाब के किनारों पर मिट्टी डालकर ट्रैक बनेगा, जिसपर लोग सुबह व शाम को सैर कर सके। जीडीए अधिकारियों का दावा है कि इसके लिए जल्द टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी, जिसपर करीब पांच करोड़ रुपये खर्च होंगे। साथ ही ये सभी कार्य बरसात से पहले होने की उम्मीद है।

दो भवन मालिकों पर जुर्माना लगाया

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। गाजियाबाद में बढ़ रहे प्रदूषण को देखते हुए जीडीए अवैध रूप से निर्माण सामग्री एकत्र करने वालों पर कार्रवाई कर रहा है। इसी कड़ी में एनजीटी के आदेश का उल्लंघन करने पर जीडीए ने मंगलवार को दो भवन मालिकों पर 20-20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। जीडीए सचिव राजेश कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार को विजयनगर के सेक्टर नौ में ए 627 के भवन मालिक सुरेंद्र चौधरी और न्यू पंचवटी में बी-271 के भवन मालिक राघव गोयल पर 20-20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने बताया कि जीडीए की प्रवर्तन टीम सभी जोन में निरीक्षण कर रही है।

बाइक चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश 16 बाइक बरामद

✷एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

बीटा दो कोतवाली पुलिस ने दिल्ली एनसीआर में वाहन चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए इनके कब्जे से फर्जी नंबर प्लेट लगी 16 बाइक बरामद की है।

यह गिरोह बाइक चोरी करने के बाद इनके पॉटर्स अलग अलग कर बेचते थे। ग्रेटर नोएडा एडीसीपी सुधीर कुमार ने बताया कि सोमवार की रात पुलिस को सेक्टर चाई-4 के पास जंगल में संदिग्ध युवकों के बैठे होने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस मौके पर पहुंची और छह आरोपियों को धर दबोचा।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान दादरी के घोड़ी बछेड़ा गांव निवासी राहुल व रोहित, शामली निवासी सुमित, बुलदंशहर निवासी संदेश, सूरजपुर निवासी सचिन और सेक्टर चाई तीन निवासी अर्जुन के रुप में हुई है। पुलिस के मुताबिक गिरोह का सरगना राहुल है। यह गिरोह एनसीआर में बाइक चोरी की घटना को अंजाम दिया करता था। रेकी करने के बाद यह गिरोह बाइक चोरी करता था।

यह चोरी की बाइक मिस्त्री अर्जुन को बेच दिया करते थे। अर्जुन वाहनों के महंगे पाट्र्स निकालकर बेचता था। इसके अलावा यह जरूरतमंदों को सश्ते दामों में भी बाइक बेच दिया करते थे। यह गिरोह अस्पताल के आसपास से बाइक चोरी की घटना को अंजाम देते थे। गिरोह के सरगना राहुल के खिलाफ 15 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस इनके अन्य अपराधिक इतिहास की जानकारी जुटा रही है।

असामाजिक तत्वों पर क्यूआरटी रख रही नजर

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

यात्रियों की सुरक्षा को लेकर आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) का गठन किया गया है। ये टीम गश्त कर असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रख रही है। अब सर्दियों की शुरुआत होते ही सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है।

इसके लिए क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) बनाई गई है। इसमें आरपीएफ और जीआरपी के जवान शामिल है। आरपीएफ के इंस्पेक्टर चेतन प्रकाश ने बताया कि क्यूआरटी टीम में एक दरोगा के साथ तीन जवान शामिल हैं।

ये टीम हर स्थिति पर तत्काल कार्रवाई और असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रख रही है। टीम सुबह और शाम बाद लगातार पूरे स्टेशन परिसर का गश्त कर संदिग्ध व्यक्तियों और गतिविधियों पर निगरानी रख रही है।

क्यूआरटी प्लेटफार्म, स्टेशन के प्रवेश और निकास द्वार, प्रतीक्षालय पर भी कड़ी निगरानी रखे हुए है।

यात्रियों को भी लाउडस्पीकर के माध्यम से सतर्क रहने को कहा जा रहा है। टीम यात्रियों से संदिग्ध वश्तु की सूचना देने के लिए भी प्रोत्साहित कर रही है।

शहीदी दिवस पर गुरु तेग बहादुर के बलिदान को किया याद

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

शहर के गुरुद्वारों में मंगलवार को गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में पाठ और कीर्तन कराए गए। इस दौरान गुरु तेग बहादुर के इतिहास और बलिदान को याद किया गया।

श्रद्धालुओं के लिए लंगर लगाया गया। कार्यक्रमों में गुरु तेग बहादुर के जीवन से प्रेरित होकर उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया गया। कविनगर सी-ब्लॉक स्थित गुरुद्वारे में शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में दो दिवसीय पाठ का आयोजन किया गया, जिसका मंगलवार सुबह समापन किया गया। सुबह पाठ के समापन के बाद दिल्ली से आए चमनजीत सिंह ने कीर्तन किया। सभी को गुरु तेग बहादुर के इतिहास के बारे में बताया गया।

गुरु तेग बहादुर के साथ शहीद मतिदास, सतिदास, भाई दयाल को भी याद किया गया। लंगर के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। लोहिया नगर स्थित श्री गुरु नानक इंटर कॉलेज में शहीदी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सुखमणि साहिब के शबद कीर्तन के साथ स्कूल में गुरु तेग बहादुर के जीवन पर प्रदर्शनी, चित्रकला और भाषण कराया गया। कॉलेज के अध्यक्ष सरदार मंजीत सिंह ने छात्राओं को बताया कि औरंगजेब के अत्याचार से बचने के लिए 500 ब्राह्मण पंडित कृपाराम के नेतृत्व में आनंदपुर साहिब गुरु तेग बहादुर के पास मदद के लिए पहुंचे थे।

गुरु तेग बहादुर ने सनातन धर्म की खातिर अपना शीश कटा दिया था लेकिन वह झुके नही थे। सभी शिक्षकों ने शहीदी दिवस पर अपने विचार प्रश्तुत किए।

इस अवसर पर कॉलेज प्रबंधक गुरजीत सिंह, प्रधानाचार्या हंसपाल, उप प्रधानाचार्या अनीता पवार, कमलजीत कौर संधू, दीप्ति, गुरप्रीत कौर, सिमर कौर, नेहा कौर, रमनजीत कौर आदि मौजूद रहे।

वहीं बजरिया स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में दो दिवसीय का पाठ का आयोजन किया गया।

मंगलवार सुबह पाठ के बाद कीर्तन कराया गया। सभा के अध्यक्ष इंदरजीत सिंह टीटू ने सभी को शहीदी दिवस के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि सभी को गुरु तेग बहादुर के जीवन से सीख लेनी चाहिए। कार्यक्रम में सभी ने अरदास की। कार्यक्रम का समापन लंगर के साथ किया गया।

मजदूरों को रेलवे स्टेशन पर मिला बैग

अंदर थे लाखों के गहने

पटना, एजेंसी। बिहार के 4 प्रवासी दिहाड़ी मजदूरों ने ईमानदारी की मिसाल पेश की है। उन्होंने एक बैंक अधिकारी के 10 लाख रुपये के सोने के गहनों को लौटा दिया, जिसे वो कोननगर रेलवे स्टेशन पर भूल गई थी। ये मजदूर सिवान से लिलुआ में काम करने आए थे। कोननगर की रहने वाली बैंक अधिकारी रूपश्री रविवार को हावड़ा जा रही थीं। वह वंदे भारत ट्रेन से कोडरमा के लिए रवाना होना था। सुबह करीब 5 :30 बजे वे ट्रेन में सवार हुईं, लेकिन स्टेशन पर ही एक छोटा बैग छोड़ आईं। इसमें कीमती गहने थे। ट्रेन के चलने के बाद उन्हें अपनी गलती का अहसास हुआ। उन्होंने तुरंत आरपीएफ और जीआरपी को सूचना दी।

आरपीएफ और जीआरपी ने मामले की जांच शुरू की। स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज देखने पर पता चला कि 4 व्यक्ति बैग को सीट से उठा ले गए थे। फुटेज को कोननगर के स्थानीय लोगों को दिखाया गया, लेकिन किसी ने उन व्यक्तियों की पहचान नहीं की। आरपीएफ ने फुटेज से एक फोन नंबर प्राप्त किया और उन मजदूरों से संपर्क किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि वे लिलुआ में काम करते हैं। मजदूरों का कहना था कि वे खुद भी बैग के मालिक की तलाश कर रहे थे।

चारों मजदूरों को किया गया सम्मानित– मजदूरों के मुताबिक, उन्होंने बैग के बारे में आसपास पूछताछ की और खुद पुलिस के पास गए थे।

नशे में धुत ऑडी ड्राइवर ने बाइक सवार को किया किडनैप, यौन संबंध के लिए बनाया दबाव

मुंबई। मुंबई के सबसे पौश इलाकों में से एक बांद्रा में एक व्यक्ति की किडनैपिंग से हड़कंप मच गया। किडनैपर लक्जरी कार का ड्राइवर निकला। वहीं, किडनैपिंग की वजह पता चली, तो पुलिस भी हैरान रह गई। आरोपी ने युवक से यौन संबंध बनाने के लिए उसे अगवा किया था।आरोपी की पहचान 31 वर्षीय चिराग हरगुनानी के रूप में हुई है, जो ऑडी कार का ड्राइवर है। बांद्रा पुलिस स्टेशन ने चिराग के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया है।

क्या है पूरा मामला?– पुलिस के अनुसार, रविवार की सुबह चिराग ने बाइक से जा रहे 2 युवकों को रोककर आसपास मौजूद किसी पार्क का रास्ता पूछा। इसके बाद चिराग ने मोहम्मद ताबिश शोएब कुट्टी नामक युवक से रास्ता दिखाने के बहाने कार में बैठने को कहा। उस दौरान चिराग नशे में था। मोहम्मद के कार में बैठते ही चिराग ने कार भगा ली और उसे अगवा कर लिया। इसके बाद चिराग ने उसपर यौन संबंध बनाने का दबाव डाला।पुलिस ने बताया- जब मोहम्मद ने चिराग से कार रोकने की गुजारिश की, तो उसने मोहम्मद को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। मोहम्मद ने किसी तरह कार की चाबी निकाल दी, जिससे कार रुक गई और वो कार से उतरकर भागने में कामयाब रहा।

बांद्रा पुलिस ने चिराग को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत किडनैपिंग समेत अन्य अपराधों का मुकदमा दर्ज किया गया है।

होमवर्क नहीं किया तो बच्चे को पेड़ से लटकाया

सूरजपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के नारायणपुर गांव में एक प्राइवेट स्कूल में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। स्कूल में होमवर्क न करने के लिए टीचर ने तालिबानी सजा दी। दो महिला टीचरों ने बच्चे को नंगा करके रस्सी से बांधकर पेड़ पर टांग दिया।

क्या हुआ था उस दिन?

ये मामला नारायणपुर के हंस वाहिनी विद्या मंदिर स्कूल का है। स्कूल में नर्सरी क्लास में शिक्षिका काजल साहू होमवर्क चेक कर रही थीं। एक चार साल के बच्चे ने होमवर्क नहीं किया था। शिक्षिका गुस्से में आईं और बच्चे को क्लास से बाहर निकाल दिया। इसके बाद काजल साहू और दूसरी शिक्षिका अनुराधा देवांगन ने मिलकर बच्चे के कपड़े उतारे, रस्सी से बांधा और स्कूल के अंदर पेड़ पर लटका दिया। बच्चा घंटों तक लटकता रहा और जोर-जोर से रोता रहा।

भाजपा का नया दांव, महाराष्ट्र निकाय चुनाव में युवाओं को 40 पर्सेंट का आरक्षण

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने युवा शक्ति पर बड़ा बयान दिया है और कहा है कि राज्य में होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों में उनकी पार्टी यानी भारतीय जनता पार्टी कम से कम 40 फीसदी टिकट 35 साल से कम उम्र के युवाओं के लिए आरक्षित रखेगी। उनका यह बयान बीएमसी समेत राज्य भर के निकाय चुनावों से ऐन पहले आया है। बता दें कि मुंबई समेत राज्य की कई नगर निकायों के चुनाव अगले साल 31 जनवरी से पहले पूरे होने हैं। ये 2022 से ही पेंडिंग हैं।

सोमवार को मुंबई में एक कार्यक्रम में युवाओं संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं आपको पक्के तौर पर बता सकता हूं कि ब्व्छ्क से निकाय चुनाव लड़ने वाले कम से कम 40 फीसदी उम्मीदवार 35 साल से कम उम्र के होंगे।' सीएम ने क्रिमिनल रिकॉर्ड वाले उम्मीदवारों की मौजूदगी पर चिंता जताते हुए कहा कि ऐसी पृष्ठभूमि के बड़े पैमाने पर उम्मीदवार चुनावों में उतरते रहे हैं जो समाज के लिए चिंता की बात है।

लोकतांत्रिक संस्था समाज का आईना

फडणवीस ने कहा, 'कोई भी लोकतांत्रिक संस्था समाज का आईना होती है, और संस्था ही समाज को बनाती है। पिछले बीएमसी चुनावों में कुल 216 उम्मीदवारों का क्रिमिनल रिकॉर्ड था। यह सच है कि कुछ गलत लोग हैं, लेकिन सभी को भ्रष्ट कहना भी गलत है।' इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के काम की तारीफ करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में भारत की विकास दर सिस्टम में खराबी के आरोपों को गलत साबित करती है।

कांग्रेस के सामने नई चुनौती ! लिखित आश्वासन मांग रहे शिवकुमार

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के उप-मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कथित तौर पर सरकार गठन के समय मुख्यमंत्री परिवर्तन को लेकर किए गए वादे की याद दिलाते हुए लिखित आश्वासन मांगा है। इस कथित मांग से कांग्रेस नीत सरकार को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है और राज्य की राजनीति में खलबली मच गई है। इस कथित मांग की पुष्टि हालांकि न तो अखिल भारतीय कांग्रेस समिति और न ही राज्य नेतृत्व द्वारा की गई है, लेकिन इसने सत्तारूढ़ पार्टी के शीर्ष स्तर में बढ़ते अविश्वास के बारे में अटकलों को तेज कर दिया है।

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, शिवकुमार की यह कथित मांग सरकार गठन के समय सत्ता को साझा करने पर हुई पहले की मौखिक चर्चा से उपजी है। वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने हालांकि ऐसी किसी सहमति को लेकर कोई पुष्टि नहीं की है।

नेतृत्व परिवर्तन का यह मुद्दा उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और मुख्यमंत्री सिद्दारमैया के बीच बढ़ती दूरी की ओर इशारा करता है। कर्नाटक की राजनीति में तब इस मुद्दे ने तब और हवा पकड़ ली, जब नागा संतों के एक समूह ने शिवकुमार के निवास का दौरा किया, जिसमें से काशी के एक संत ने कथित तौर पर उन्हें मुख्यमंत्री बनने का आशीर्वाद दिया। यह हालांकि प्रतीकात्मक है, लेकिन इस दौरे ने कथित नेतृत्व विवाद के इर्द-गिर्द राजनीतिक चर्चाओं को तेज कर दिया है।

क्या बदलेगा कर्नाटक का मुख्यमंत्री?

जारी है बैठकों का दौर

वरिष्ठ कांग्रेस नेता और राज्य के ऊर्जा मंत्री केजे जॉर्ज ने रविवार को मुख्यमंत्री सिद्दारमैयाऔर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की और बाद में शिवकुमार के साथ भी एक अलग बैठक की।

पार्टी सूत्रों ने हालांकि इन बैठकों को नियमित मुलाकात मात्र बताया और जॉर्ज की मध्यस्थता की भूमिका को खारिज कर दिया। इस बीच, सिद्दारमैया के खेमे ने अपनी ताकत की पुष्टि करने के प्रयास तेज कर दिए हैं। पिछले दो दिनों में मुख्यमंत्री के बेटे डॉ. यतींद्र सिद्दारमैया ने मुख्यमंत्री के लिए समर्थन मजबूत करने के ख्याल से उत्तर कन्नड़ जिले में व्यक्तिगत रूप से कांग्रेस विधायकों से मुलाकात की है।

महाराष्ट्र की मंत्री पंकजा मुंडे के पीए पर पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप, गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की मंत्री पंकजा मुंडे के निजी सहायक को अपनी पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में सोमवार को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी है। जानकारी के मुताबिक आरोपी अनंत गर्जे को मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 27 नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस ने अदालत को बताया कि गर्जे से पूछताछ जारी है और मामले के अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। वहीं गर्जे के वकील ने दलील दी है कि आरोपी स्वेच्छा से पुलिस थाने पहुंचकर जांच में पूरा सहयोग कर रहे हैं। इससे पहले एक अधिकारी ने बताया कि गर्जे की पत्नी डॉ गौरी पालवे (28) ने कथित तौर पर घरेलू विवाद के कारण शनिवार को मध्य मुंबई के वर्ली स्थित अपने फ्लैट में फंदे से लटकर आत्महत्या कर ली। पालवे सरकारी केईएम अस्पताल में डेंटिस्ट थीं। पालवे के पिता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर वर्ली पुलिस ने गर्जे और उसके दो रिश्तेदारों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। दोनों की शादी इसी साल 7 फरवरी को हुई थी।

गौरी पालवे के परिवारवालों के क्या आरोप?

पुलिस के अनुसार, पालवे के परिवार ने आरोप लगाया है कि पालवे के पति ने पीड़िता को प्रताड़ित और परेशान किया था, जिसके कारण उसने यह कदम उठाया। परिजनों ने इस मामले की जांच की मांग की है। पुलिस में दर्ज अपनी शिकायत में पालवे के परिवार ने आरोप लगाया कि गर्जे का विवाहेतर संबंध था और पालवे ने उन्हें मोबाइल फोन पर किसी अन्य महिला से बात करते हुए पकड़ा था।

हिमाचल के पूर्व जिला कोषाधिकारी की 1.84 करोड़ की संपत्ति कुर्क, पेंशन राशि गबन करने का आरोप

शिमला, एजेंसी। ईडी के शिमला कार्यालय ने हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के नाहन में पदस्थ रहे पूर्व जिला कोषाधिकारी (डीटीओ) सतीश कुमार की 1.84 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम , 2002 के तहत की गई है। कुर्क की गई संपत्ति पंजाब के एसएएस नगर (मोहाली) में सन्नी एन्क्लेव, खरड़ में स्थित 200 वर्ग गज का भूखंड है जिस पर निर्माण भी हुआ है। ईडी की तरफ से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में ये जानकारी दी गई है।

ईडी ने यह जांच नाहन थाने में सतीश कुमार के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। इस मामले में 31 मई 2023 को आरोप पत्र दायर किया गया था और सतीश कुमार को नाहन स्थित माननीय विशेष न्यायाधीश, सिरमौर द्वारा दोषी ठहराया जा चुका है।

जिम गए युवक पर धारदार हथियार से हमला

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷ । मुरादनगर के रावली रोड पर जिम में गए युवक पर धारदार हथियार से हमला कर दिया गया। गांव ढिंढार निवासी आदित्या कौशिक मुरादनगर रावली रोड पर सोमवार शाम को जिम में गए थे। आरोप है कि इसी बीच दूसरे समुदाय के युवकों ने अचानक हमला बोल दिया और धारदार हथियार से वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर फुरकान निवासी अज्ञात और तीन अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

रोडरेज में कार सवार युवकों ने मारपीट की

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷ । मोदीनगर हापुड़ मार्ग पर गांव खंजरपुर गेट के सामने रोडरेज के चलते कार सवार युवकों ने शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे युवकों से मारपीट की। आरोप है कि आरोपी कार में रखे 21 हजार रुपये भी ले गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मोदीनगर की देवेन्द्रपुरी कॉलोनी निवासी भानु प्रताप सिंह अपने दोश्त अनुपम त्यागी के साथ सोमवार को शादी समारोह में शामिल होने के लिए अलीगढ़ गए थे। सोमवार रात करीब नौ बजे वह वापस आ रहे थे। जब वह मोदीनगर हापुड़ मार्ग पर गांव खंजरपुर गेट के सामने पहुंचे तो सामने से आ रही एक कार ने उनकी कार में साइड मार दी। इस बात को लेकर कहासुनी हो गई। दूसरी कार में सवार चार युवकों ने भानुप्रताप सिंह और अनुपम त्यागी के साथ मारपीट की। आरोप है कि जाते समय युवक कार में रखे 21500 रुपये भी अपने साथ ले गए। पीड़ति ने मोदीनगर थाने में तहरीर दी है। एसीपी मोदीनगर ने बताया कि तहरीर के आधार पर कार सवार चार युवकों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

प्राकृतिक आपदा एवं उससे बचाव को लेकर प्रदर्शनी आयोजित

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷ । एसएमएस सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्राकृतिक आपदा की जानकारी और बचाव विषय पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में छात्र छात्राओं ने वोल्कानो, टॉरनेडो, सुनामी, लैंडस्लाइड, केदारनाथ आपदा, भूकंप के कारणों और आपदा की स्थिति में उपयोगी इलेक्ट्रॉनिक अलार्म जैसे डिजास्टर मैनेजमेंट मॉडल प्रश्तुत किए। इस दौरान स्कूल संस्थापक राज बहादुर सिंह ने कहा कि बच्चों द्वारा बनाए गए प्रोजेक्ट उनकी प्रतिभा और रचनात्मकता को दर्शाते हैं। ऐसे प्रयास छात्रों के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं और भविष्य में उन्हें नई दिशा प्रदान करेगें। साथ ही बाल मेले में बच्चों व अभिभावकों ने छात्राओं द्वारा बनाए गए विभिन्न व्यंजनों का स्वाद लिया। बच्चों द्वारा लगाए गए खेल व खिलौनों के स्टॉल भी आकर्षण का केंद्र रहे। कार्यक्रम के दौरान ने संस्थापक राज बहादुर सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। प्रबंधक धनेश सिंह, प्रधानाचार्य डॉ.दिनेश कुमार, राकेश कुमार, संजीव कुमार, राहुल कुमार, अनुज कुमार, अनु शर्मा, नाजिया, वार्षिका, नूरीन, यशी आदि मौजूद रहे।

नेशनल हाईवे पर ट्रक- बुग्गी की भिड़ंत घोड़े की हुई मौत

✷ **एनसीआर टुडे. शेरकोट** ✷ । शेरकोट में मंगलवार तड़के नेशनल हाईवे पर बड़ा हादसा हो गया। सुबह करीब 4:30 बजे शेरकोट-अफजलगढ़ रोड पर मुबारकपुर कुंडे के पास ट्रक और घोड़ा बुग्गी आमने-सामने भिड़ गए। टक्कर इतनी तेज थी कि 16 वर्षीय प्रशांत और एक घोड़ी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक प्रशांत निवासी बूढ़ेरन, पिता का नाम नरेंद्र है। घायलों में उनके दादा वीर सिंह (58), नितिन, महेंद्र और अलीम शामिल हैं। सभी को पुलिस ने मौके पर पहुंचकर अस्पताल भिजवाया। प्रशांत के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हादसे के बाद ट्रक चालक फरार हो गया। शादी से लौटते समय हुआ हादसा,घायलों ने बताया कि वे अफजलगढ़ में एक शादी समारोह से बारात चढ़ाकर लौट रहे थे। जैसे ही वे हाईवे पर पहुंचे, वन -वे ट्रैफिक की वजह से सामने से आ रहे ट्रक ने उनकी बुग्गी में जोरदार टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाईवे पर वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था पिछले 1 महीने से लागू है। इसी दौरान यह तीसरा घातक हादसा है। अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है और दर्जनों घायल हुए हैं। लोग इस व्यवस्था पर नाराजगी जता रहे हैं और प्रशासन से तुरंत सुधार की मांग कर रहे है।

सोसाइटी में 14वीं मंजिल से गिरकर बैंक मैनेजर की मौत

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

राजनगर एक्सटेंशन की ऑफिसर्स सिटी-1 सोसाइटी में सोमवार रात आठ बजे तेज धमाके जैसी आवाज आई। सुरक्षा कर्मियों ने पार्किंग क्षेत्र में एक व्यक्ति को गंभीर हालत में पड़ा देखा।

बाद में पहचान हुई कि वह 40 वर्षीय रोहित बत्रा हैं, जो बैंक आफ इंडिया की हापुड़ शाखा में ब्रांच मैनेजर के तौर पर कार्यरत थे। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

रोहित मूल रूप से बुलंदशहर के निवासी थे और इसी सोसायटी की सातवीं मंजिल पर उनका एक फ्लैट है, जिसे वह किराए पर देकर स्वयं कहीं और रहते थे।

सोमवार शाम वह सीधे 14वें फ्लोर पर पहुंचे थे, जहां से गिरने की घटना हुई। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वह वहां क्यों गए थे और घटना दुर्घटना थी, आत्महत्या या इसके पीछे कोई और कारण।

हालांकि बताया जा रहा है कि बत्रा ने अपने फोन से कुछ देर पहले ही परिजनों को एक सुसाइड नोट वॉट्सएप किया था, जिसे पढ़ने के बाद उन्होंने पुलिस को सूचित किया था। फोन की लोकेशन ट्रेस करते हुए ही पुलिस 14वीं मंजिल तक पहुंची, जहां से उसे रोहित का बैग और मोबाइल फोन मिला। जांच के दौरान परिजनों ने संपत्ति को लेकर चल रहे घरेलू तनाव का जिक्र किया है। इसे पुलिस एक महत्वपूर्ण बिंदु मानकर देख रही है। एसीपी नंदग्राम उपासना पांडे के अनुसार टीम को कई महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं और सीसीटीवी फुटेज की तकनीकी जांच शुरू कर दी गई है।

उन्होंने बताया कि यह देखा जा रहा है कि रोहित 14वीं मंजिल तक कैसे पहुंचे, किस राश्ते गए और उस समय उनके आसपास कौन-कौन व्यक्ति मौजूद थे।

रेलवे स्टेशन के पास अर्धनग्न अवस्था में मिला एक अज्ञात व्यक्ति का शव

एनसीआर टुडे. नगीना। रेलवे स्टेशन नगीना के पास रेस्टोरेंट के समीप अर्धनग्न अवस्था में मिला एक अज्ञात व्यक्ति का शव सूचना पर पुलिस तत्काल पहुंची।

मृतक की उम्र करीब 55 वर्ष बताई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार व्यक्ति स्टेशन और बस स्टैंड के आसपास भीख मांगकर जीवन यापन करता था। पुलिस ने शिनाख्त के प्रयास किए, लेकिन पहचान नहीं हो सकी। पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

दुकान का ताला तोड़कर नगदी और सामान चोरी, मुकदमा दर्ज

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

लालकुआं क्षेत्र में बुलंदशहर रोड पर स्थित दुकान से चोरों ने नगदी और सामान चोरी कर लिया। पीड़ित ने वेव सिटी थाने में शिकायत दी।

प्रताप विहार सेक्टर-12 में रहने वाले राजीव गोयल का कहना है कि बुलंदशहर रोड स्थित वाईएमबी स्कूल के पास मैक इलेक्ट्रिकल्स नाम से उनकी दुकान है। 22 नवंबर की रात को वह दुकान बंद कर गए थे।

23 नवंबर की तड़के चोरों ने दुकान का मुख्य ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और गल्ले का लॉक तोड़कर उसमें रखे लगभग एक लाख रुपये निकाल लिए।

इसके बाद चोरों ने दुकान में रखे विभिन्न कंपनियों के 186 बंडल इलेक्ट्रिक तार भी उठा लिए। राजीव गोयल के मुताबिक 23 नवंबर की सुबह वह दुकान पर पहुंचे तो ताला टूटा पाया। अंदर जाकर देखा तो सामान अश्त-व्यश्त था और गल्ला खुला हुआ था।

उन्होंने वेव सिटी थाने में घटना की जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। घटना के संबंध में राजीव गोयल ने 24 नवंबर को वेव सिटी थाने में शिकायत की। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल का कहना है कि केस दर्ज कर चोरों को ट्रेस करने के लिए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

किसानों का 15 साल का इंतजार खत्म, अब भूखंड मिलेगा

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

मधुबन बापूधाम योजना से प्रभावित किसानों का 15 साल का इंतजार खत्म होगा। उन्हें अब भूखंड मिलेंगे।

27 और 28 नवंबर को जीडीए हिंदी भवन में किसानों को भूखंड देने के लिए ड्रॉ निकालेगा। दो चरणों में होने वाले ड्रॉ में 647 भूखंड दिए जाएंगे।

इसके बाद किसान इनका नक्शा पास कराके निर्माण कर सकेंगे। जीडीए ने वर्ष 2004 में छह गांव की करीब 1,234 एकड़ जमीन पर मधुबन बापूधाम योजना लॉन्च की थी, जिसमें से 800 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया गया। फिर 153 एकड़ और मिल गई और इसे भी विकसित किया।

जबकि बची हुई 281 एकड़ जमीन के किसान सुप्रीम कोर्ट चले गए। साल 2016 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अंत में जीडीए ने नए भू अधिग्रहण कानून के तहत 281 एकड़ जमीन के किसानों को मुआवजा देते हुए जमीन का अधिग्रहण किया।

इस फैसले के बाद 800 एकड़ जमीन के किसान भी नए भू अधिग्रहण कानून के तहत बढ़े मुआवजे की मांग कर रहे हैं। साथ ही सभी किसान जमीन दिए जाने की एवज में मिलने वाले भूखंडों की भी मांग कर रहे हैं।

अब जीडीए सभी किसानों को उनकी जमीन की एवज में नियमानुसार भूखंड देगा। जीडीए अधिकारी बताते हैं कि इन भूखंड का लाटरी ड्रा दो दिन निकाला जाएगा।

पहले दिन छोटे भूखंड का, जबकि दूसरे दिन 200 वर्ग मीटर से अधिक बड़े भूखंड का ड्रा निकला जाएगा। इस ड्रॉ से किसानों का फायदा होगा। करीब 15 साल से भूखंड का इंजतार भी उनका खत्म हो जाएगा।

दुधला में बेखौफ होकर जेसीबी से अवैध खनन कर रहे माफिया

✷ **एनसीआर टुडे. नजीबाबाद** ✷

जनपद बिजनौर की नजीबाबाद तहसील के किरतपुर ब्लॉक के दुधला गांव में जेसीबी से मिट्टी का अवैध खनन बेखौफ किया जा रहा है। जबकि शासन प्रशासन ने मिट्टी के अवैध खनन पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया हुआ है, अवैध खनन के रोक के बावजूद कुछ मिट्टी माफिया ईट भट्ठों की आड़ में गरीब किसानों को बहला फुसला कर उनके खेत से मिट्टी उठा कर बेच रहे हैं।

उत्तर प्रदेश की जनपद बिजनौर हमेशा अवैध खनन को लेकर सुर्खियों में रहता है। जबकि देखा जाए तो कुछ दिनों से रात के 12:00 बजे से लेकर और सुबह के 5:00 बजे तक अवैध खनन माफियाओं ने मिट्टी बेचने का बड़ा कारोबार कर रखा है। मिट्टी के काले कारोबार को लेकर नजीबाबाद तहसील हमेशा सुर्खियों में बनी रहती है।

नजीबाबाद तहसील की कच्ची सड़के हो या पक्की या नहर की पटरी या हो हाईवे सभी पर रात के 12:00 बजे के बाद मिट्टी से भरे ट्रैक्टर ट्रॉली व डंपर दौड़ते हुए देखे जा सकते हैं। देखा जाए तो शासनादेश एवं मानकों की अनदेखी कर यह लोग दबंगई के साथ मिट्टी का अवैध खनन करने में लगे हुए हैं।

ऐसा ही एक मामला नजीबाबाद तहसील के ग्राम दुधला के ग्राम गुनियापुर रोड स्थित डैम के पुल के पास में देखने को मिला, जहां पर अवैध खनन माफिया दिन दहाड़े जेसीबी मशीन से खेत से मिट्टी का अवैध खनन करते नजर आए। जिस गांव से होकर मिट्टी के ट्रैक्टर ट्राली गुजर रहे हैं, वहां के ग्राम वासियों का कहना है कि यह लोग ज्यादा चक्कर लगाने को लेकर ट्रैक्टर ट्रॉली तेजी के साथ ला और ले जा रहे हैं। जिस गांव के राश्ते से यह लोग ट्रैक्टर ट्रॉली ला और ले जा रहे हैं वह राश्ता बहुत ही तंग है जिस कारण हमारे घर की महिलाओं एवं छोटे बच्चों के लिए खतरा बना हुआ है। जिस पर हम ट्रैक्टर वालों से कहते हैं कि ट्रैक्टर आराम से लाओ और ले जाओ, तो वह हमें ही उल्टा धमकाने लगते हैं। उधर ग्राम वासियों का कहना है कि अगर मिट्टी से भरे ट्रैक्टर ट्रॉली की जद में ग्रामवासी या बच्चे आ गए या कोई बड़ा हादसा हो गया तो उसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

एक बड़ा सवाल पैदा होता है कि मिट्टी के काले कारोबार के लिए मिट्टी माफियाओं को रात के समय मिट्टी के अवैध खनन करने की परमिशन कहां से प्राप्त हुई है जबकि जिले में मिट्टी के खनन पर पूर्णता प्रतिबंध है तो फिर किसके संरक्षण में मिट्टी का काला कारोबार किया जा रहा है। अगर जल्द ही प्रशासन ने मिट्टी के अवैध खनन को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाए तो मिट्टी खनन माफिया अपना साम्राज्य स्थापित कर लेंगे।

पूर्व सभासद मुस्तकीम ने वार्ड 22 स्योहारा में निभाई अहम भूमिका

✷ **एनसीआर टुडे. स्योहारा** ✷

वार्ड नंबर 22 स्योहारा के पूर्व सभासद मुश्तकीम अहमद ने

निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे वोटर लिस्ट शुद्धिकरण अभियान में सक्रिय सहयोग प्रदान किया है। बूथ लेवल अधिकारी (BLO) अर्चना देवी के सहयोग से उन्होंने वार्ड के नागरिकों के SIR फॉर्म भरवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इस अभियान के तहत, पूर्व सभासद ने न केवल लोगों को फॉर्म भरने के लिए प्रेरित किया, बल्कि जो लोग फॉर्म स्वयं भरने में असमर्थ थे, उनके लिए रात-दिन एक करके स्वयं बैठकर उनके फॉर्म पूरे किए।

इसके बाद सभी लोगों को उनकी रिसीव कॉपी भी वितरित कराई गई। उनके इस निस्वार्थ प्रयास से वार्ड की मतदाता सूची के शुद्धिकरण में काफी मदद मिली है।

मुश्तकीम अहमद ने वार्ड वासियों से अपील करते हुए कहा, 'अगर किसी भी व्यक्ति को अभी भी फॉर्म भरने में कोई परेशानी आ रही है, तो वह बीएलओ अर्चना देवी जी से या सीधे मुझसे संपर्क कर सकता है।

हम उसकी पूरी सहायता करेंगे। हमारा प्रयास है कि हमारे वार्ड का हर एक पात्र मतदाता मतदाता सूची में दर्ज हो सके।'

पूर्व सभासद के इस सामुदायिक सहयोग और जनसेवा के भाव ने वार्ड के लोगों में काफी सराहना पाई है और चुनावी प्रक्रिया में जनभागीदारी बढ़ाने का एक सराहनीय उदाहरण प्रश्तुत किया है।

बहन से अभद्रता करने पर मारी थी युवक के पेट में गोली

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की विकास कुंज कॉलोनी में बहन से अभद्रता करने पर युवक के पेट में गोली मारने वाले मुख्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त पिस्टल और बाइक बरामद की गई है। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की विकास कुंज कॉलोनी में रविवार शाम दो युवकों ने पड़ोस में रहने वाले कुनाल को घर से कुछ दूर स्थित मोबाइल की दुकान पर बुलाकर मारपीट की थी। मारपीट के बाद राहुल कुनाल के पेट में गोली मारकर साथी समेत फरार हो गया था।

घायल के पिता की शिकायत पर पुलिस ने विपिन, राहुल, अमन और अज्ञात के खिलाफ हत्या के प्रयास की रिपोर्ट दर्ज की थी।

सीओ अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि पुलिस ने दो दिन पहले एक आरोपी विपिन को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने मंगलवार सुबह मुख्य आरोपी राहुल को बेहटा नहर रोड के पास से गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त बाइक और पिस्टल बरामद की।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि कुनाल उसकी बहन के साथ अभद्रता करता था। कई बार मना करने पर भी नहीं मान रहा था, जिसके चलते उसे सबक सिखाने के लिए साथियों के साथ मिलकर मारपीट करने के बाद उसके पेट में गोली मारी थी।

घर में लगी आग, 2 लाख का दहेज का सामान जला

✷ **एनसीआर टुडे. बढ़ापुर** ✷

अज्ञात कारणों से लगी आग में लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो गया। इस घटना में दो घरों में रखा शादी का सामान पूरी तरह नष्ट हो गया, जिससे परिवारों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।

घटना बढ़ापुर क्षेत्र के गांव पक्का तालाब में हुई। सईद पुत्र पीरु और तस्लीम पुत्र रफीक के छप्परनुमा घरों में अचानक आग लग गई। आग तेजी से फैली, जिसके बाद घर में मौजूद सभी लोग सुरक्षित बाहर निकल आए। स्थानीय लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी और स्वयं आग बुझाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

आग से सबसे अधिक नुकसान सईद पुत्र पीरु को हुआ है। उनकी दो बेटियों की शादी अगले महीने होनी थी, जिसके लिए दहेज का सामान घर में इकट्ठा करके रखा गया था।

इस आग में 2 लाख रुपए से अधिक की नकदी, एक मोटरसाइकिल, सोने-चांदी के जेवर, इन्वर्टर-बैटरी सहित शादी का सारा सामान जलकर राख हो गया।

दो पूर्व कर्मचारियों पर स्टोर से सवा लाख चुराने का केस दर्ज

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

अंकुर विहार थाना क्षेत्र स्थित एक कंपनी के स्टोर से दो पूर्व कर्मचारियों ने दो बार में 1.10 लाख रुपये की नकदी चोरी कर ली। चोरी की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

कंपनी के कर्मचारियों ने एक आरोपी को पुलिस को सौंप दिया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर फरार आरोपी की तलाश में जुटी है। दिल्ली के लक्ष्मी नगर में रहने वाले दीप कुमार सिटी मॉल में वरिष्ठ कर्मचारी हैं। कंपनी का एक स्टोर अंकुर विहार थाना क्षेत्र स्थित राम पार्क कॉलोनी में है।

उन्होंने बताया कि कुछ दिनों पहले कंपनी में कार्यरत कर्मचारी ऋषभ शर्मा निवासी शहादरा और धीरज निवासी अंकुर विहार लोनी को पैसे चुराने के आरोप में नौकरी से निकाल दिया गया था। इसके बाद 31 अक्तूबर को 70 हजार रुपये और 15 नवंबर को 40 हजार रुपये चोरी हो गए।

चोरी का पता चलने पर सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखी तो उसमें दोनों पूर्व कर्मचारी घटना को अंजाम देते हुए दिखाई दिए। उन्होंने दोनों कर्मचारियों को दोबारा से नौकरी पर लगवाने का झांसा देकर स्टोर पर बुलाया।

उनके बुलाने पर ऋषभ स्टोर पर पहुंच गया, जबकि धीरज नहीं आया। ऋषभ से पूछताछ करने पर उसने धीरज के साथ मिलकर चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। जिस पर वह कर्मचारियों के साथ आरोपी को अंकुर विहार थाने लेकर पहुंचे और शिकायत दी।

सीओ अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुटी है।

स्योहारा पुलिस ने व्यापारियों को किया जागरूक : साइबर अपराधों से बचाव के उपायों पर हुई गोष्ठी,कई लोग मौजूद रहे

✷ **एनसीआर टुडे. स्योहारा** ✷

साइबर अपराधों से बचाव के उपायों पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। धामपुर के पुलिस क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पांडे ने व्यापारियों को साइबर क्राइम के प्रति जागरूक किया। यह गोष्ठी स्योहारा नगर पालिका परिषद सभागार में आयोजित की गई।

क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पांडे ने व्यापारियों को साइबर अपराधों की रोकथाम के बारे में विश्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिस तरह से लोग साइबर अपराधों का शिकार हो रहे हैं, उसे रोकने के लिए व्यापारियों का जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सरकार द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबरों की भी विश्तृत जानकारी दी। पांडे ने सलाह दी कि ऑनलाइन खरीदारी करते समय आने वाले ओटीपी का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी नए-नए तरीकों से अपराध कर रहे हैं, इसलिए सतर्क रहना जरूरी है। उन्होंने व्हाट्सएप पर आने वाले अज्ञात इन्विटेशन कार्ड न खोलने और अनजान वीडियो कॉल रिसीव न करने की भी अपील की। यदि कोई अनजाने में वीडियो कॉल उठा लेता है, तो अपना चेहरा न दिखाएं।

मास एजुकेशन क्लासेज़ में सत्र 2024–25 का पुरस्कार वितरण समारोह उत्साहपूर्वक आयोजित

✷ **एनसीआर टुडे. किरतपुर** ✷

मास एजुकेशन क्लासेज़ में सत्र 2024–25 का पुरस्कार वितरण समारोह उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण संस्थान के नए डिजिटल लर्निंग विंग का शुभारंभ रहा, जो तकनीक आधारित आधुनिक शिक्षा की दिशा में संस्थान का एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अब छात्र इंटरैक्टिव, दृश्य आधारित तथा नवीन डिजिटल टूल्स के माध्यम से अधिक रोचक और प्रभावी ढंग से सीख सकेंगे। इस नई पहल का संचालन इंजीनियर आमिर सुहैल के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। उनके साथ अम्मारा, अरफ़िया, अरशी, उसामा, ललित और सफिया की टीम सक्रिय रूप से सहयोग कर रही है, जो विद्यार्थियों के लिए एक प्रगतिशील एवं आधुनिक शिक्षण वातावरण तैयार कर रही है। कार्यक्रम के दौरान संस्थान ने नवाचार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि यह डिजिटल विंग छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

जाट जागरण समिति में रोष, प्रतिष्ठित चिकित्सक से अभद्रता पर बैठक में तीखी निंदा

✷ **एनसीआर टुडे. चांदपुर** ✷

जाट जागरण समिति की बैठक समिति के संरक्षक डॉ. लाखन चौधरी के आवास पर आयोजित हुई। जिसमें समिति के वरिष्ठ सदस्य एवं वर्तमान में मुजफ्फरनगर के मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया के साथ महिला आयोग की सदस्या संगीता जैन अग्रवाल द्वारा उनके निज आवास पर आकर अभद्रता करने व अनर्गल आरोप लगाने पर कड़ा विरोध प्रकट किया गया। समिति ने इस घटना को समाजसेवी और प्रतिष्ठित चिकित्सक का अपमान बताते हुए इसकी तीखी निंदा की।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए डॉ. लाखन चौधरी ने कहा कि डॉ. सुनील तेवतिया इस क्षेत्र के अत्यंत सम्मानित, सरल स्वभाव के समाजसेवी व्यक्ति हैं।, जिन्होंने प्रधानमंत्री निक्षय मित्र कार्यक्रम के अंतर्गत जाट जागरण समिति को चांदपुर क्षेत्र के 250 टीबी मरीजों को गोद लेने के लिए प्रेरित किया था। उनके प्रयासों से समिति आज पूरे मुरादाबाद मंडल में सर्वाधिक टीबी मरीजों को गोद लेकर उनके पोषण व उपचार में सहायता करने वाली एकमात्र संस्था बनी हुई है। ऐसे सामाजिक व प्रतिष्ठित व्यक्ति के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि ग्राम झलरी से लापता लड़की के मामले में संज्ञान लेने की बजाय महिला आयोग की सदस्या द्वारा एक सम्मानित चिकित्सक का उत्पीड़न समाज में गलत संदेश देता है।, जिसे किसी भी श्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। समिति ने घटना की निष्पक्ष

जांच और संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही की मांग की।

बैठक में प्रमुख रूप से डॉ. नरेंद्र तोमर, डॉ. महेंद्र मलिक, राजेश तोमर, रूप सिंह, प्रशांत बिट्टू, समिति अध्यक्ष डॉ. विकास तोमर, संयोजक डॉ. संदीप चौधरी, कोषाध्यक्ष सचिन अहलावत, प्रदीप तोमर, डॉ. आकाशदीप चौधरी, डॉ. कपिल कुमार, डॉ. सुयश चौधरी, एडवोकेट बादल तोमर, आकाश राणा, अभिषेक तोमर, मनदीप चौधरी, अजयवीर सिंह, जयवीर प्रधान, पुष्पेंद्र प्रधान आदि सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

डा0 तेवतिया अनुशासित,सम्मानित व्यकित है : टिकैत

नरेश टिकैट ने मुजफ्फरनगर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील तेवतिया के समर्थन में बयान जारी किया है सिसौली में पत्रकारों से वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि सीएमओ सुनील तेवतिया एक अनुशासन प्रिय व्यक्ति है जब से उन्होंने जनपद का कार्य संभाला है तब से यहां की स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है।

नरेश टिकैत ने हाल ही में सीएमओ को लेकर उठे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर एक व्यक्ति अपने परिवार ही अपनी पत्नी से मिलने के लिए छुट्टी के दिन दूसरे जिले में जाता है तो उसे इस तरह से अपमानित किया जाना बेहद निराशाजनक है।

बिना डीएम की स्वीकृति आए डॉ. तेवतिया

महिला कल्याण आयोग की सदस्य संगीता अग्रवाल ने बताया कि डॉक्टर तेवतिया पहले भी कई बार जनपद बिजनौर में आ चुके हैं ।जबकि उन्हें बिना अपने जिलाधिकारी को सूचित किए बिना एक जनपद से दूसरे जनपद में 1 घंटे के लिए भी नहीं जा सकते हैं।

जिस पर वह बिना डीएम को सूचित किए बिना आए दिन यहां आते रहते हैं। श्रीमती संगीता जैन ने बताया कि उनकी धर्मपत्नी महिला डॉक्टर विशेषज्ञ हैं इसलिए अधिकांश मरीज पुरुष ही मिले। इसकी क्या वजह हो सकती है। साफ साफ है कि डा तेवतिया यहां आकर प्रैक्टिस कर रहे थे।

एनसीआर टुडे

गाजियाबाद, बुधवार 26 नवंबर 2025

संपादकीय

संविधान केवल वकीलों का दस्तावेज़ नहीं, जीवन माध्यम है

लोकतंत्र को मानव सभ्यता के इतिहास में समाज और राष्ट्रों को संचालित करने की सबसे उपयुक्त व्यवस्था माना गया है, क्योंकि यह लोगों द्वारा, लोगों के लिए स्थापित किया गया है और इसमें सभी बराबर हैं।

लोकतंत्र को चलाने के लिए कुछ नियम-कायदे आवश्यक होते हैं; इन्हें संविधान कहा जाता है, जिसमें राष्ट्र को संचालित करने के सभी मूलभूत निर्देश समाहित होते हैं। आज 26 नवंबर संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है जो संविधान निर्माताओं की याद एवं उनके सम्मान में मनाया जाता है। वर्ष 1949 में 26 नवंबर को संविधान सभा द्वारा भारत के संविधान को स्वीकृत किया गया था, जो 26 जनवरी, 1950 को प्रभाव में आया। डॉ. भीमराव अम्बेडकर को भारत के संविधान का जनक कहा जाता है। भारत की आजादी के बाद कांग्रेस सरकार ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर को भारत के प्रथम कानून मंत्री के रूप में सेवा करने का निमंत्रण दिया। उन्हें 29 अगस्त को संविधान की प्रारूप समिति का अध्यक्ष बनाया गया। वह भारतीय संविधान के मुख्य वास्तुकार थे। संविधान के उद्देश्यों को प्रकट करने हेतु प्रायः पहले एक प्रस्तावना प्रस्तुत की जाती है जो कुछ इस प्रकार है।

हम, भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य, बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता, प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में, व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता, सुनिश्चित करने वाली बन्धुता बढ़ाने के लिए दृढ़संकल्प होकर अपनी संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर 1949 ई. को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, आत्मसात करते हैं।

भारतीय संविधान की यह प्रस्तावना विश्व मे सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है। प्रस्तावना के माध्यम से भारतीय संविधान का सार, अपेक्षाएँ, उद्देश्य उसका लक्ष्य तथा दर्शन प्रकट होता है। यह महत्वपूर्ण दिवस जो लोकतंत्र, समानता और न्याय की दिशा में देश की यात्रा में एक मील का पत्थर है। 2025 तक, राष्ट्रीय संविधान दिवस भारत की एकता और मौलिक अधिकारों के सम्मान का प्रतीक बना है।

संविधान के मुख्य निर्माता डॉ. बी.आर.अंबेडकर थे, जिन्होंने प्रारूप समिति का नेतृत्व किया और सभी भारतीयों के लिए न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व सुनिश्चित करने की काम किया। राष्ट्रीय संविधान दिवस, जो पहली बार 2015 में औपचारिक रूप से मनाया गया, इस ऐतिहासिक प्रक्रिया और इसमें योगदान देने वाले कई दूरदर्शी लोगों को सम्मानित करता है। वार्षिक विषय समकालीन लोकतांत्रिक मूल्यों, अधिकारों और उत्तरदायित्वों पर केंद्रित है। पिछले वर्षों में, विषयों में न्याय, समावेशिता और नागरिक कर्तव्य पर जोर दिया गया है। भले ही कोई विशिष्ट विषय घोषित न किया गया हो, उत्सव की गतिविधियां हमेशा संवैधानिक मूल्यों को युवाओं और प्रत्येक भारतीय नागरिक के लिए सुलभ और सार्थक बनाने पर केंद्रित होती हैं।

राष्ट्रीय संविधान दिवस का विशेष महत्व है क्योंकि यह दुनिया के सबसे लंबे लिखित संविधान के निर्माण का उत्सव मनाता है, जो एक जीवंत दस्तावेज है जो सभी को समान रूप से सुरक्षा प्रदान करता है, स्वतंत्रता सुनिश्चित करता है और भारत की प्रगति को आकार देता है। यह दिवस हमें स्वतंत्रता के दौरान किए गए बलिदानों की याद दिलाता है। छात्रों को अधिकारों, कर्तव्यों और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के बारे में अध्ययन करने के लिए प्रेरित करता है। विभिन्न क्षेत्रों और भाषाओं में विविधता और एकता के प्रति सम्मान को बढ़ावा देता है। सक्रिय नागरिकता और समाज में जिम्मेदार भागीदारी को प्रोत्साहित करता है।

भारत का संविधान एक लोकतांत्रिक सरकार बनाता है, जहाँ सारे नेता जनता द्वारा चुने जाते हैं। इसमें मौलिक अधिकार, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, आवाज-उठाने, यात्रा करने, रहने, धर्म मानने और शिक्षा पाने की आजादी शामिल है। सभी भारतीयों की एक ही राष्ट्रीयता है, और संविधान कुछ हिस्सों में लिचीलापन रखता है तो कुछ हिस्सों में कड़ा भी है। राष्ट्रीय स्तर पर जाति व्यवस्था को हटाने, समान नागरिक संहिता लागू करने और आधिकारिक भाषाएँ तय करने के प्रावधान हैं। संविधान लागू होने के बाद महिलाओं को वोट देने का अधिकार मिला। कई देशों ने भारतीय संविधान के कुछ हिस्सों को अपनाया है। हमारे संविधान में तमाम खामियां भी हैं, परंतु इसका कोई जवाब नहीं है। हम सबसे पहले और अंत में भारतीय हैं। न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व केवल शब्द नहीं हैं, वे हमारे राष्ट्र की नींव हैं। किसी राष्ट्र की शक्ति उसकी एकता और उसके संविधान के प्रति सम्मान में निहित है आइये हम अपने अधिकारों को संजोएं और भारत के नागरिक के रूप में अपने कर्तव्यों का पालन करें।

‘हमेशा ऑनलाइन’ रहने के मायाजाल की दौड़ में थकते युवा

डॉ. सत्यवान सौरभ

आज का भारतीय समाज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है जहाँ तकनीक अवसर भी दे रही है और संकट भी खड़ा कर रही है। सोशल मीडिया का तेजी से बढ़ता दायरा इस संक्रमणकाल का सबसे बड़ा प्रतीक है।

फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, एक्स और अन्य प्लेटफॉर्म ने आम लोगों को वह मंच दिया है, जिसकी कल्पना कुछ दशक पहले संभव नहीं थी। लेकिन यह सशक्तिकरण जितनी उम्मीदें लेकर आया था, उतने ही उलझाव उसने मनोवैज्ञानिक और सामाजिक श्तर पर पैदा कर दिए हैं। युवा पीढ़ी लाइक, व्यूज़, फॉलोअर्स और डिजिटल सेलिब्रिटी बनने की सतही चाह में उलझकर मानसिक थकान और सामाजिक दूरी के ऐसे भंवर में फंसती जा रही है जो दिखाई तो नहीं देता, पर भीतर तक कमजोर कर रहा है।

भारत में सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं की संख्या 50 करोड़ पार कर चुकी है-यह दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल समुदायों में से एक है। यह संख्या जितनी विशाल है, उससे कहीं अधिक विशाल है वह दबाव, जो इसने युवाओं के मन पर डाला है। सुबह उठते ही फोन उठाकर रात को आंख बंद होने तक स्क्रीन पर स्क्रोल करते रहने की आदत आज सामान्य लगती है, लेकिन यह सामान्यता ही सबसे बड़ा खतरा बन चुकी है। लाइक-व्यूज़ के माध्यम से मान्यता पाने की चाह युवाओं को धीरे-धीरे वाश्तविक जीवन से काट रही है।

सोशल मीडिया का सबसे आकर्षक और सबसे खतरनाक पहलू यह है कि यह एक समानांतर दुनिया रचता है-एक ऐसी दुनिया जहाँ आप अपनी इच्छानुसार छवि गढ़ सकते हैं, अपनी वाश्तविकता से अलग व्यक्तित्व प्रदर्शित कर सकते हैं और अपनी जिंदगी को चमकदार फ्रेम्स में पिरो सकते हैं। लेकिन इस दुनिया में स्वीकृति की कीमत बहुत भारी है। कुछ सेकंड का ध्यान पाने के लिए लगातार नए पोस्ट, नई तस्वीरें, नए रील्स और नई अभिव्यक्तियाँ देनी पड़ती हैं। युवाओं में यह दबाव बढ़ रहा है कि यदि उनकी पोस्ट को पर्याप्त लाइक या व्यूज़ नहीं मिले, तो वे किसी अदृश्य प्रतियोगिता में पिछड़ गए हैं।

यह डिजिटल पहचान की एक ऐसी प्रतिस्पर्धा है जिसमें न कोई स्पष्ट लक्ष्य है, न कोई अंत, और न ही कोई वाश्तविक विजेता। हर युवा अपनी ही छवि की तुलना दूसरों से करता है। किसी और की मुस्कुराहट, जीवनशैली, शरीर, छुट्टियाँ, करियर, रिश्ते-सब कुछ तुलना का आधार बन जाता है। यह तुलना आत्म-सम्मान को चोट पहुंचाती है और धीरे-धीरे युवा महसूस करने लगते हैं कि वाश्तविक जीवन में जितना वे पाते हैं, वह पर्याप्त नहीं है।

कई सर्वे बताते हैं कि 18-34 आयु वर्ग के 59% युवा स्वीकार करते हैं कि सोशल मीडिया उनके मानसिक संतुलन को प्रभावित कर रहा है। इनमें चिंता, तनाव, अनिद्रा, ओवरथिंकिंग, अत्यधिक उत्तेजना और आत्म-संदेह जैसी समस्याएँ तेजी से बढ़ रही हैं। युवाओं के दिमाग में हर समय दो सवाल घूमते रहते हैं-इस पोस्ट पर कितने लाइक आए? लोग मेरे बारे में क्या सोच रहे होंगे? इन सवालों का बोझ इतना बढ़ चुका है कि वाश्तविक उपलब्धियाँ भी कई बार डिजिटल प्रतिक्रिया के बिना युवा को अधूरी लगती हैं। आत्मविश्वास की नींव खुद के मूल्य पर नहीं, बल्कि दूसरों की डिजिटल स्वीकृति पर टिकने लगती है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताने वाले युवाओं में अवसाद और अकेलेपन की समस्या तेजी से बढ़ी है। बाहर से वे “कनेक्टेड” दिखते हैं, लेकिन भीतर वे अत्यधिक अलगाव महसूस करते हैं। वाश्तविक बातचीत में कमी आने से भावनात्मक अभिव्यक्ति भी कमजोर हो गई है। आज कई परिवारों में यह आम दृश्य है कि भोजन की मेज पर बैठे सभी लोग मोबाइल

स्क्रीन में झुके हैं। माता-पिता कभी समझ नहीं पाते कि बच्चे किस पोस्ट को बनाने में इतना वक्त लगा रहे हैं, या क्यों एक तस्वीर को कई बार परफेक्ट एंगल से लेना आवश्यक है। युवा पीढ़ी की भावनाएँ, संवाद शैली और प्राथमिकताएँ तेजी से डिजिटल स्वरूप में बदल रही हैं, जबकि बुजुर्ग अभी भी वाश्तविक संवाद और संबंधों को महत्व देते हैं। इस पीढ़ीगत अंतर ने परिवारों को भावनात्मक रूप से दूर कर दिया है।

दोश्तों के साथ घूमने जाना अब एक अनुभव नहीं, बल्कि कंटेंट बनाने का अवसर बन गया है। हर जगह “पोस्ट करने लायक” तस्वीर ढूंढना मानो एक अनिवार्य कार्य बन गया है। रिश्ते धीरे-धीरे वाश्तविकता से हटकर प्रदर्शन के माध्यम बन रहे हैं। कई युवा स्वीकार करते हैं कि वे सोशल मीडिया पर दिखने वाले “परफेक्ट रिश्तों” से प्रभावित होकर अपने संबंधों को लेकर अनावश्यक उम्मीदें पाल लेते हैं, जो बाद में निराशा का कारण बनती हैं।

सोशल मीडिया की सबसे बड़ी समस्या है-हमेशा उपलब्ध रहने का दबाव। नोटिफिकेशन की लगातार झंकार, मैसेज का तुरंत जवाब देने की आदत, किसी नए ट्रेंड में पीछे न छूटने का डर, और हर समय अपडेटेड दिखने की चाह युवाओं की मानसिक ऊर्जा को धीरे-धीरे खत्म कर रही है। डिजिटल थकान आज एक वाश्तविक समस्या बन चुकी है। कई युवा रात को देर तक नींद नहीं ले पाते क्योंकि उन्हें लगता है कि वे कुछ मिस कर देंगे। दिन में उनकी एकाग्रता भंग रहती है क्योंकि दिमाग हर समय स्क्रीन की ओर खिंचता रहता है। यह चक्र अंतहीन है और जितना समय बढ़ता है, उतनी थकान गहराती जाती है।

प्लेटफॉर्म्स का उद्देश्य सरल है-उपयोगकर्ता को जितना अधिक समय स्क्रीन पर रोके रखा जाए, उतना अधिक लाभ। एल्गोरिद्म इस तरह डिजाइन किए जाते हैं कि उपयोगकर्ता स्क्रोल करना बंद ही न करे।

वीडियो एक के बाद एक चलते रहते हैं, नोटिफिकेशन लगातार आकर्षित करते रहते हैं और कंटेंट का चयन इस प्रकार किया जाता है कि उपयोगकर्ता को लगे-“बस थोड़ा और। ” इस रणनीति का सबसे अधिक प्रभाव युवा दिमागों पर पड़ता है, जो अभी भावनात्मक और बौद्धिक रूप से परिपक्व हो रहे होते हैं। उन्हें यह समझ नहीं आता कि सोशल मीडिया की यह दुनिया उनके समय, ऊर्जा और आत्मसम्मान को लगातार प्रभावित कर रही है।

समस्या जितनी बड़ी है, उसका समाधान भी उतना ही व्यवहारिक है-डिजिटल अनुशासन। युवाओं को प्रतिदिन एक निश्चित समय तय करना चाहिए-इससे आदतें नियंत्रित होंगी और थकान कम होगी। अनावश्यक नोटिफिकेशन बंद करने से मन पर होने वाला दबाव कम होता है। खुद को दूसरों के बनाए ‘हाइलाइट रील’ से तुलना करना बंद करना जरूरी है। परिवार, दोश्तों, किताबों, प्रकृति, खेल और रचनात्मक गतिविधियों पर ध्यान देना सकारात्मक ऊर्जा देता है। स्कूलों-कॉलेजों में डिजिटल व्यवहार और मानसिक स्वास्थ्य पर पाठ्यक्रम जोड़ना समय की मांग है। अभिभावकों को भी बच्चों में मोबाइल उपयोग की आदतों पर संयमित और संवेदनशील निगरानी रखनी चाहिए।

युवाओं को यह समझने की आवश्यकता है कि उनकी वाश्तविक प्रतिभा, भावनाएँ, रचनात्मकता और मेहनत किसी स्क्रीन पर आए आंकड़ों से अधिक मूल्यवान हैं। जीवन का अर्थ डिजिटल तालियों से नहीं, बल्कि वाश्तविक अनुभवों, रिश्तों और आत्मविकास से बनता है। सोशल मीडिया ने दुनिया को छोटा जरूर बनाया है, लेकिन इसका उपयोग यदि संयमित न हो तो यह हमारे ही जीवन का दायरा छोटा कर देता है।

समय आ गया है कि युवा इस मायाजाल से जागें, स्क्रीन से थोड़ी दूरी बनाएं और अपनी वाश्तविक पहचान की ओर लौटें। क्योंकि लाइक-व्यूज़ की यह दौड़ अंतहीन है-और इसमें थकना निश्चित है। लेकिन जीवन की दौड़ के राश्ते अनंत हैं, अर्थपूर्ण हैं और सच्चे हैं।

अभी न जाओ छोड़ के: ’ही मैन’ धर्मेंद्र को समर्पित

धर्मेंद्र: एक युग की विदाई, एक हीरो का अमरत्व

डॉ. सत्यवान सौरभ

हिंदी सिनेमा ने अपने लंबे सफर में कई सितारों को जन्म दिया, पर उनमें कुछ ऐसे हैं जिनकी रोशनी समय के साथ कम नहीं होती, बल्कि हर पीढ़ी की आँखों में एक नई चमक लेकर जीवित रहती है। धर्मेंद्र उन्हीं दुर्लभ सितारों में से थे, जो सिर्फ अभिनेता नहीं थे, बल्कि भारतीय समाज के भावनात्मक ताने-बाने का हिस्सा बन चुके थे। उनका जाना एक ऐसी खामोशी छोड़ गया है, जिसे शब्दों में बाँध पाना मुश्किल है। वे सिर्फ पर्दे पर दिखने वाली एक छवि नहीं थे; वे एक ऐसे इंसान थे, जिनकी गर्माहट और विनम्रता ने दर्शकों को अपने परिवारों के किसी सदस्य की तरह उनसे जोड़ दिया था।

धर्मेंद्र की कहानी किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं। पंजाब के एक छोटे से गांव नसराली से शुरू हुई यह यात्रा संघर्ष, मेहनत और सपनों की शक्ति का जीवंत उदाहरण है। एक साधारण किसान परिवार में जन्मा लड़का जब फिल्मों की दुनिया की चमक-दमक में पहुंचता है, तो आमतौर पर व्यक्ति अपनी मूल पहचान खो बैठता है, लेकिन धर्मेंद्र ऐसे नहीं थे। उन्होंने अपनी जड़ों को कभी नहीं छोड़ा। वही सादगी, वही देसीपन, वही अपनापन उनकी हर मुस्कान में दिखाई देता था। यही कारण है कि वे सिर्फ ‘स्टार’ नहीं बने, वे ‘दिलों का हीरो’ बने।

1960 के दशक में जब उन्होंने सिनेमा के परदे पर कदम रखा, तब दर्शकों ने यह अंदाज़ा नहीं लगाया होगा कि यह युवक अगले कई दशकों तक हिंदी फिल्मों का सबसे प्रिय चेहरा बनने वाला है। शुरुआत भले ही धीमी रही हो, पर उनकी आँखों में मौजूद मासूमियत और व्यक्तित्व में छिपा गहरा आत्मविश्वास बहुत जल्द ही लोगों के दिलों तक पहुँच गया। उनकी शुरुआती फिल्मों ने यह दिखाया कि उनमें संवाद की सरलता, भावनाओं की सहज अभिव्यक्ति और अपने किरदार के प्रति ईमानदार दृष्टिकोण जैसी विशिष्ट खूबियाँ हैं।

समय के साथ धर्मेंद्र ने दिखा दिया कि वे सिर्फ एक रोमांटिक हीरो नहीं, बल्कि हर शैली में फिट बैठने वाले अभिनेता हैं। उन्होंने अभिनय के हर रंग को जीया-रोमांस की कोमलता, कॉमेडी की सहजता, एक्शन की तीव्रता और भावुक दृश्यों की गहराई। ‘अनुपमा‘ और ‘अनपढ़‘ में उनकी रोमांटिक छवि दर्शकों का दिल चुरा लेती थी, तो ‘मेरा गांव मेरा देश‘ और ‘शोले‘ में उनका एक्शननुमा अंदाज़ उन्हें ‘ही-मान’ की उपाधि दिलाता था। यह उपाधि किसी फैशन के कारण नहीं, बल्कि उनके स्वाभाविक दृढ़ व्यक्तित्व का प्रमाण थी।

“शोले” का वीरू भारतीय सिनेमा के इतिहास का वह चरित्र है, जो किसी परिचय का मोहताज नहीं। वीरू की मश्ती, दोश्ती, बेफिक्री और दिल की गहराई ने इस किरदार को अमर बना दिया। धर्मेंद्र कोई भूमिका निभाते नहीं थे, वे उसे जीते थे। यही कारण है कि वीरू आज भी दर्शकों के चेहरों पर मुस्कान ला देता है। लेकिन धर्मेंद्र का जादू सिर्फ वीरू तक सीमित नहीं था। “चुपके चुपके” में उनकी गंभीर-स्वभाव वाली कॉमेडी यह साबित करती है कि हास्य अभिनय हमेशा उछल-कूद या अतिरंजना से नहीं आता; वह शालीनता और समयबद्ध संवादों से भी पैदा हो सकता है। धर्मेंद्र इस बात का जीता-जागता उदाहरण थे।

उनके अभिनय का आधार हमेशा ‘सच्चाई’ रहा। वे अभिनय नहीं करते थे, वे सत्य को अभिव्यक्त करते थे। यह सत्य कभी प्रेम की कोमलता के रूप में जागता था, कभी संघर्ष की तल्खी के रूप में। आज के समय में जब अभिनय तकनीक और बाहरी सजावट पर अधिक निर्भर होता जा रहा है, धर्मेंद्र हमें याद दिलाते हैं कि अभिनय का सबसे बड़ा केंद्र

‘दिल’ होता है। यही वह विशेषता है, जिसने उनकी फिल्मों को समय की सीमाओं से मुक्त कर दिया।

धर्मेंद्र की एक और महानता थी-उनकी जमीन से जुड़ाव। उन्होंने कभी खुद को महान या बड़ा साबित करने की कोशिश नहीं की। सैकड़ों फिल्मों की सफलता, लाखों प्रशंसक और दशकों की लोकप्रियता के बाद भी वे एक साधारण ग्रामीण की तरह बात करते थे। उनकी विनम्रता किसी बनावटी विनम्रता का परिणाम नहीं थी; वह उनके स्वभाव का हिस्सा थी। यही कारण है कि वे उद्योग के भीतर और बाहर-दोनों जगह समान आदर के पात्र बने रहे।

धर्मेंद्र ने अपनी निजी और राजनीतिक जिंदगी में भी अपने मूल्यों को नहीं छोड़ा। वे वर्ष 2004 में लोकसभा के लिए चुने गए और अपने तरीके से जनता की सेवा की। हालाँकि वे राजनीति में गहराई से सक्रिय नहीं रहे, लेकिन यह साफ समझ आता है कि वे समाज के प्रति एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपनी भूमिका को समझते थे। उनका चरित्र उतना ही सीधा और स्पष्ट था जितना उनका अभिनय।

उनकी जीवनशैली की सादगी ने भी लोगों को हमेशा प्रभावित किया। मुंबई की भीड़भाड़ से दूर उनका फार्महाउस, धरती पर काम करना, खेतों को सींचना, पशुओं के साथ समय बिताना-ये सब उनकी आत्मा को सुकून देते थे। यह उस अभिनेता की तस्वीर है जो चमकते पर्दे से परे, असली जिंदगी में प्रकृति की गोद में अपने आप को पूरा महसूस करता था। यह गुण किसी अभिनेता में शायद ही देखने मिलता हो।

उनका योगदान सिर्फ उनके समय तक सीमित नहीं। आज की पीढ़ी भी धर्मेंद्र की फिल्मों में वही ताजगी, वही मानवीय संवेदना और वही संवादशक्ति महसूस करती है, जो 40-50 साल पहले दर्शक महसूस करते थे। यह बहुत कम कलाकारों के हिस्से आता है कि उनकी फिल्मों की ताकत पीढ़ियों की सीमाएँ लांघ जाए। धर्मेंद्र यह विरासत अपने साथ लेकर नहीं गए; वे इसे समाज में छोड़ गए हैं।

आज जब हम उन्हें स्मरण करते हैं, तो उनके चेहरे की वह सहज मुस्कान तुरंत आँखों के सामने आ जाती है। ऐसा लगता है जैसे वह अभी भी किसी दृश्य की तैयारी कर रहे हों, या किसी इंटरव्यू में अपनी प्रसिद्ध विनम्रता के साथ कह रहे हों-“अरे, मैं कौन सा बड़ा कलाकार हूँ, बस अपनी कोशिश करता हूँ। ” उनकी यह बात ही उन्हें बड़ा बनाती थी।

धर्मेंद्र का जाना भारतीय सिनेमा के लिए सिर्फ एक कलाकार की विदाई नहीं; यह एक युग का अवसान है। वह युग जिसमें सादगी, भावनाएँ और मानवीयता अभिनय की रीढ़ हुआ करती थीं। वह दौर जब सिनेमा सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज, परिवार और रिश्तों का आईना होता था। धर्मेंद्र उस आईने की सबसे चमकदार किरण थे।

लेकिन हर महान कलाकार की तरह धर्मेंद्र भी यह सिद्ध करके गए हैं कि शरीर भले चला जाए, कला कभी नहीं जाती। उनकी आवाज़, उनकी हँसी, उनकी आँखों की चमक, उनकी फिल्मों के दृश्य-यह सब कहीं न कहीं हमारे भीतर जीते रहेंगे। वह इसलिए नहीं कि उन्होंने 300 से अधिक फिल्मों में काम किया, बल्कि इसलिए कि उन्होंने लोगों के दिलों में जगह बनाई। सिनेमा की असली शक्ति यही है-जब दर्शक अभिनेता को सिर्फ अभिनेता न मानकर परिवार का हिस्सा मानने लगें।

आज, जब हम श्रद्धांजलि देते हुए यह पंक्ति याद करते हैं-“अभी न जाओ छोड़ के… ”-तो यह सिर्फ एक गीत की पंक्ति नहीं रह जाती। यह एक युग की पुकार जैसी लगती है। लेकिन महान कलाकार कभी सचमुच नहीं जाते। धर्मेंद्र भी नहीं गए। वे हमारे गीतों में हैं, संवादों में हैं, फिल्मों में हैं, और सबसे बढ़कर, हमारे दिलों में हैं।

भारतीय सिनेमा के उस ‘ही-मान’ को शत-शत नमन, जिसकी सादगी ने हमें इंसान होना सिखाया और जिसकी मुस्कान ने पीढ़ियों को जीवन की सुंदरता का एहसास कराया।

निवेश के नाम पर कंपनी अधिकारी से सात लाख ठगे

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद। साइबर अपराधियों ने व्हाट्सऐप ग्रुप और फर्जी वेबसाइट के जरिये इंदिरापुरम निवासी एक कंपनी अधिकारी से सात लाख रुपये ठग लिए। जालसाजों ने निवेश पर मोटे मुनाफे का झांसा देकर पीड़ित को फंसाया। अहिंसा खंड-एक, इंदिरापुरम की एटीएस एडवांटेज सोसाइटी में रहने वाले प्रशांत शर्मा का कहना है कि बिना अनुमति उन्हें एक दो व्हॉट्सऐप ग्रुप में जोड़ा गया। ग्रुप के एडमिन खुद को कैनरा रोबेको म्यूचुअल फंड से जुड़ा बता रहे थे और ग्रुप में शामिल लोगों को मोटी कमाई का लालच देकर निवेश के लिए प्रेरित कर रहे थे। ग्रुप एडमिन अहाना गिल और खुद को प्रोफेसर एवं सीईओ बताने वाले रजनीश नरूला ने उन्हें ओटीसी ट्रेडिंग योजना में निवेश करने के लिए प्रेरित किया।

महिलाओं ने बदल दी बिहार चुनाव की तस्वीर

डा. अश्विनी महाजन

बिहार चुनाव में एग्जिट पोल से पहले तक एनडीए और महागठबंधन के बीच कांटे की टक्कर मानी जा रही थी। ऐसे कयास भी लगाए जा रहे थे कि शायद बिहार की जनता परिवर्तन के नाते नीतीश कुमार के स्थान पर तेजस्वी यादव को सत्ता सौंप सकती है। नीतीश कुमार की आयु, एंटी इनकुंबेंसी, तेजस्वी यादव की लोकप्रियता आदि जैसे तर्क भी दिए जा रहे थे।

लेकिन चुनाव में गिनती के बाद जब महागठबंधन की करारी हार हुई और कांग्रेस का लगभग सूपड़ा साफ हो गया, तो चुनाव विश्लेषक सोचने को मजबूर हो रहे हैं कि आखिर इन परिणामों के पीछे क्या कारण रहा? चुनाव विश्लेषक एनडीए की जीत के पीछे एक बड़ा श्रेय महिलाओं के भारी समर्थन को दे रहे हैं।

यह सच है कि इस चुनाव में महिलाओं ने अभूतपूर्व ढंग से वोटिंग की है। 2024 के संसदीय चुनाव में 59.4 प्रतिशत महिलाओं ने वोट डाला, जबकि पुरुषों का वोट प्रतिशत 53.3 ही रहा था, जबकि 2019 के आम चुनावों में यह प्रतिशत क्रमशः 59.9 और 53.3 प्रतिशत था। लेकिन 2025 के विधानसभा में महिलाओं ने कहीं ज्यादा 71.8 प्रतिशत की रिकॉर्ड वोटिंग की, जबकि पुरुषों का वोट प्रतिशत 63 प्रतिशत रहा। यानी लगभग 9 प्रतिशत बिंदु का अंतर। विभिन्न विधानसभा क्षेत्र का विश्लेषण बताता है कि यह अंतर कई स्थानों पर 10 प्रतिशत से 21 प्रतिशत का भी रहा। पहले चरण में जहां महिला और पुरुष वोटों का प्रतिशत क्रमशः 69 और 61.6 का रहा। लेकिन दूसरे चरण में तो महिलाओं ने और अधिक जोर से वोट डाले और महिला वोट 74.6 प्रतिशत तक पहुंच गए और पुरुष वोट 64.4 तक ही पहुंच पाए।

क्यों बढ़ा महिलाओं का वोट प्रतिशत : चूंकि महिलाओं द्वारा पूर्व की तुलना में भारी मात्रा में वोट डाले गए, तो यह समझना जरूरी हो जाता है कि इसका क्या कारण रहा होगा? विपक्षी दल इसके पीछे एनडीए सरकार द्वारा चुनाव घोषित होने से थोड़ा पहले मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 75 लाख महिलाओं को 10000 रुपए की राशि अंतरित करने को कारण मानते हैं।

हालांकि इसे झुठलाया नहीं जा सकता कि इस योजना के कारण भी महिलाओं ने एनडीए को समर्थन देने का मन बनाया होगा। लेकिन केवल 10000 रुपए की राशि का अंतरण ही महिलाओं को समर्थन का कारण नहीं हो सकता, क्योंकि महागठबंधन ने तो चुनाव प्रचार में महिलाओं को 2500 रुपए देने का वादा किया था।

इसके साथ-साथ महागठबंधन ने कई और वादे भी किए थे। लेकिन शायद महागठबंधन महिलाओं को अपने वादों से आश्वश्त नहीं कर पाया और महिलाओं ने एनडीए पर अधिक विश्वास जताया। मात्र राशि दिए जाने से यदि जनता का विश्वास

जीता जाता हो तो इससे पूर्व कई अन्य राज्यों में लैपटॉप का वितरण, अन्य कई प्रकार की मुफ्त योजनाओं के बावजूद वहां की सत्तारूढ़ सरकारें पुनरावृत्ति नहीं कर पाई थी।

इसलिए मात्र 10000 रुपए की एकमुश्त राशि दिया जाना ही एनडीए सरकार को महिलाओं के समर्थन का कारण नहीं हो सकता। हमें इस संबंध में महिला सशक्तिकरण और कल्याण के संदर्भ में नीतीश सरकार के लगभग 20 वर्षों का लेखा-जोखा लेना होगा। इसके साथ ही बिहार के आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के प्रयासों का भी आकलन करना होगा।

लालू शासन के जंगल राज का डर : लालू शासन में सामान्य जनता लचर कानून और व्यवस्था से त्रश्त थी। बलात्कार, अपहरण और फिरौती, हत्याएं और अन्य प्रकार के अपराध बिहार में सामान्य बात थी। इन अपराधों की त्रासदी अधिकांशतः महिलाओं को ही झेलनी पड़ती थी।

महिलाओं को यह डर सता रहा था कि यदि तेजस्वी यादव चुनाव जीतकर मुख्यमंत्री बनते हैं तो इस जंगल राज्य की वापसी हो सकती है। महिलाओं ने नीतीश शासन में महिला सुरक्षा, कानून और व्यवस्था में बेहतरीन सुधार का स्वाद चख लिया था। ऐसे में वे लालू शासन के जंगल राज्य की पुनरावृत्ति नहीं होने देना चाहती थीं।

शराबबंदी : नीतीश सरकार के दौरान लागू नशाबंदी ने जिसे सर्वाधिक सुकून दिया वो महिला ही थी। भारत के सर्वाधिक पिछड़े राज्य में शराब महिलाओं के उत्पीडऩ का सबसे बड़ा कारण थी। महिलाओं को यह भी लगता था कि किसी अन्य दल के शासन के आने से शराबबंदी का कानून निरश्त भी हो सकता है। जहां लालू यादव के शासनकाल में बिहार राज्य की जीडीपी में प्रतिवर्ष 1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हो रही थी यानी जब पूरे देश में जीडीपी 6 से 8 प्रतिशत की दर से बढ़ रही थी, बिहार में जीडीपी वाश्तव में सिकुड़ रही थी।

विकास के अभाव में पलायन जोरों पर था, कानून व्यवस्था की स्थिति लगातार खराब हो रही थी। डॉक्टर, इंजीनियर, व्यवसायी सभी बिहार को छोड़ रहे थे। ऐसे में जब नीतीश सरकार ने आकर बिहार की जनता को न केवल बेहतर शासन दिया, बल्कि विकास की शुरुआत भी की और जनकल्याणकारी योजनाएं भी शुरू कर दी। सुशासन बाबू के नाम पर उनकी छवि बनी और उसके बाद से उनकी लोकप्रियता लगातार बरकरार रही।

डबल इंजन सरकार की कल्याणकारी योजनाएं : नीतीश कुमार के पहले 10 साल की सरकार में तो विकास, सुशासन और कल्याणकारी योजनाओं के चलते बिहार की जनता को राहत मिली ही थी, 2014 में केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी की अगुवाई में एनडीए की सरकार आने के बाद तो कल्याणकारी योजनाएं व्यवस्थागत रूप धारण कर गई।

सबसे पहले जनधन खातों का खुलना और तदुपरांत सीधे लाभ हश्तांतरण (डीबीटी), शौचालय का निर्माण, प्रधानमंत्री ग्रामीण शहरी आवास योजना के तहत घरों का निर्माण, 100 प्रतिशत बिजली की पहुंच और विद्युत आपूर्ति की निरंतरता, हर घर नल से जल के माध्यम से पेयजल की पहुंच, आयुष्मान भारत योजना से स्वास्थ्य सुरक्षा बेहतर, आंगनबाड़ी सुविधा, उज्ज्वला योजना के तहत गैस सिलेंडरों का मुफ्त वितरण जैसे उपायों से आम बिहारी के जीवन में बड़ा बदलाव आया।

देखने में आया है कि अब पलायन रुक गया है और बिहार के मूल निवासी अपने गांव की ओर भी लौटने लगे, जिससे बिहार में विकास की संभावनाएं और बेहतर होने लगी हैं। डबल इंजन की सरकार के दौरान महिलाओं के लिए लखपति दीदी, ड्रोन दीदी, आशा और आंगनबाड़ी महिलाओं के लिए बेहतर वेतन और स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के लिए बेहतर योजनाओं ने समाज में महिलाओं को आत्मनिर्भर बना कर न केवल उनका जीवन बेहतर किया बल्कि उनके परिवार और समाज में सम्मान में भी उत्तरोत्तर वृद्धि की है।

जाति नहीं विकास बना महत्वपूर्ण मुद्दा : कहा जाता है कि बिहार की राजनीति में जाति समीकरण हावी रहते हैं। चुनाव में जाति और बिरादरी के आधार पर वोट डाले जाते हैं। राजनीति को जातिगत समीकरणों के आधार पर आंका जाता है।

कहा जा रहा था कि तेजस्वी यादव, यादव और मुस्लिम वोटों के धुव्रीकरण से जीत हासिल कर सकते हैं। लेकिन इस बार महिलाओं ही नहीं, पुरुष वोटरों ने भी जातिगत विचार से इतर विकास और सुशासन पर वोट डाला और पुनः एनडीए को सत्ता सौंप दी है। हालांकि राजनीतिक विशेषज्ञों का ध्यान अधिक महिला वोटिंग पर अधिक है, लेकिन समझना होगा कि महिलाओं ने ही नहीं, पुरुषों ने भी वोटिंग पहले से ज्यादा की है।

चुनाव आयोग का कहना है कि यह एक रिकॉर्ड वोटिंग है। बिहार चुनाव में वोटिंग का बढऩा, जाति की बजाय मुद्दों के आधार पर मतदान, महिलाओं की चुनाव में बढ़ती भागीदारी, ये सब भारत में मजबूत होते लोकतंत्र के द्योतक हैं।

विपक्षी दलों के लिए भी यह एक चेतावनी है कि वे किसी वर्ग विशेष के तुष्टीकरण, मुफ्त योजनाओं के वादे, जाति समीकरणों के आधार पर चुनाव जीतने की रणनीति से बाहर आकर, सुशासन, जन कल्याण और विकास की राजनीति करें तो उनके लिए संभावनाएं बेहतर हो सकेंगी। इस तरह बिहार चुनाव की तस्वीर बदलने में महिलाओं ने भूमिका निभाई।

(लेखक पूर्व कालेज प्रोफेसर है)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com ई-मेल: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com RNI-UPHIN/2009/30721

यातायात माह में भी ये हाल...एमजी रोड से लेकर हाईवे तक घंटों लगा रहा जाम, एंबुलेंस भी फंसी

आगरा , एजेंसी। यातायात माह में भी ट्रैफिक सुधार के दावे कागजों से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। सोमवार को एमजी रोड से लेकर हाईवे तक वाहनों की लंबी लाइन लगी रही। दोपहर में एक से शाम चार बजे तक कलेक्ट्रेट से हरीपर्वत तक पांच मिनट की दूरी तय करने में वाहन चालकों को 45 से 60 मिनट तक लगे। जाम में स्कूल बस, एंबुलेंस, सिटी बस के साथ कार और दो पहिया वाहन फंस गए। चौराहों पर यातायात पुलिसकर्मी महज खानापूर्ति करते दिखे। यही हाल हाईवे का रहा। आईएसबीटी से सिकंदरा तक वाहनों की लंबी लाइन ने वाहन चालकों को बेहाल कर दिया। सहालग के कारण बाजारों की सड़कें भी जाम की जद में दिखीं।

एमजी रोड पर मेट्रो का कार्य चल रहा है। डिवाइडर पर बैरिकेडिंग की गई है। इस वजह से लोगों को रोजाना जाम की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार दोपहर 1 बजे स्कूलों की छुट्टी के बाद सबसे पहले हरीपर्वत चौराहे पर वाहनों का फंसना शुरू हुआ। एमडी जैन इंटर कॉलेज की तरफ से आने वाले वाहनों को पुलिस रोककर मदिया कटरा और सूरसदन की तरफ निकाल रही थी। इससे इन मार्ग पर वाहनों का दबाव बढ़ने से जाम लगने लगा। देहली गेट से मदिया कटरा तक स्कूल बस, वैन और एंबुलेंस फंस गईं। यही हाल सूरसदन की तरफ जाने वाले मार्ग का रहा।

सोमवार होने की वजह से राजामंडी बाजार में खरीदारों की भीड़ अधिक थी। मेट्रो की बैरिकेडिंग और बाजार में आने-जाने वाले लोगों की वजह से एमजी रोड का ट्रैफिक रोका जा रहा था। इससे जाम लगने लगा। एमजी रोड पर कलेक्ट्रेट तक दो किलोमीटर लंबी वाहनों की लाइन लग गई। जाम में फंसी एंबुलेंस भी सायरन बजाती रहीं। आगरा कॉलेज, इमरजेंसी तिराहे, राजामंडी पर पुलिसकर्मी भी तैनात थे मगर वो कुछ नहीं कर पा रहे थे।यहां पर दो पहिया वाहन चालकों ने फुटपाथ से वाहनों को निकाला। कुछ लोग पंचकुइयां होते हुए राजामंडी बाजार की तरफ आए तो यहां भी फंस गए। यही हाल मदिया कटरा, देहली गेट, आरबीएस चौराहा का भी रहा।

वाहनों के आमने-सामने आने पर चालकों में विवाद, लगा जाम

सोमवार सुबह 10-15 बजे लंगड़े की चौकी स्थित सर्विस रोड पर एक ई-रिक्शा और मैक्स गाड़ी आमने-सामने आ गए। दोनों ने एक-दूसरे के वाहन पीछा करने को कहा। इससे जाम लग गया। बाद में दोनों के चालक सड़क पर झगड़ने लगे। यह देखकर भीड़ लग गई। पुलिस भी मौके पर नहीं पहुंची। जाम में फंसे राहगीरों ने आकर दोनों चालकों को करीब 20 मिनट तक समझाकर अलग कराया। इस दौरान आधा घंटा जाम लगा रहा।

रामबाग फ्लाईओवर पर बसें बनीं बाधा

आगरा-मथुरा हाईवे पर दिनभर जाम ने लोगों को परेशान किया। सुबह करीब 10 बजे रामबाग फ्लाईओवर पर रोडवेज बस के चालक सवारियों को बैठा रहे थे। बसों को बीच सड़क रोके जाने से पीछे से आ रहे वाहनों को रास्ता नहीं मिला। इससे वाहनों की लंबी लाइन लग गई। दोपहर करीब एक बजे अबुल उलाह दरगाह के सामने बसों के ठहराव से जाम लगा रहा। शाम करीब चार बजे गुरुद्वारा गुरु का ताल फ्लाईओवर और सिकंदरा चौराहे पर हाईवे की दोनों लेन पर वाहनों की लंबी लाइन लगी रही। वाहन रेंग-रेंग कर निकल रहे थे।

पुलिस का दावा फेल

आवास विकास कॉलोनी निवासी राकेश कुमार ने बताया कि यातायात माह के शुभारंभ पर पुलिस अधिकारियों ने ट्रैफिक सुधार का दावा किया था। इसके साथ ही लोगों को जारूक करने की बात कही थी। इस माह में लोगों को सबसे ज्यादा जाम की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। बड़े आयोजन से लेकर सामान्य दिनों में भी लोगों को आवागमन में समस्या रही। डीसीपी ट्रैफिक सोनम कुमार ने बताया कि छुट्टी के बाद सोमवार को अधिकांश कार्यालय खुलने की वजह से सड़कों पर वाहनों का दबाव अधिक था। यातायात पुलिसकर्मी व्यवस्था संभाल रहे थे। कुछ मार्गों पर थोड़ी देर के लिए जाम की समस्या हुई थी। इन पर सुधार के उपाय किए जाएंगे।

भाजपा के कद्दावर नेता पूर्व विधायक का निधन

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिले में राजनीति के एक प्रतिष्ठित चेहरे पूर्व विधायक डॉ. राम सिंह का निधन हो गया है। वह कई दिनों से बीमार चल रहे थे और दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में भर्ती थे, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

भाजपा के कद्दावर नेता और तीन बार के विधायक रहे डॉ. सिंह के परिवार पर पिछले कुछ समय से दुखों के पहाड़ लगातार टूट रहे हैं। पिछले छह माह में यह तीसरी मौत है। डॉ. राम सिंह का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव सुनपहर ऐदलपुर में 25 नवंबर की दोपहर किया गया। मुखाग्नि बेटे अनिल राजपूत ने दी।

भीड़ में गुम बालिका को एक घंटे में किया तलाश

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना बन्नादेवी पुलिस टीम द्वारा बाजार मे अधिक भीड़ होने के कारण गुम हुई पांच वर्षीय बच्ची को मात्र एक घण्टे में तलाश कर उसके परिजनों को सुपुर्द किया गया है।

मंगलवार को शिकायतकर्ता अपनी पांच वर्षीय पुत्री के साथ नुमाइश ग्राउण्ड मंगल बाजार मे आयी थी, बाजार मे भीड अधिक होने के कारण आवेदिका की पुत्री गुम हो गयी थी, जिसके सम्बन्ध मे शिकायतकर्ता ने थाना बन्नादेवी पर सूचनी दी थी। जनपद में गुमशदा बच्चों की तलाश, शीघ्र बरामदगी एवं राश्ता भटके हुए बच्चों को परिजनों से मिलाने हेतु चलाये जा रहे अभियान "ऑपरेशन स्माईल" के क्रम में थाना बन्नादेवी पुलिस टीम द्वारा सीसीटीवी फुटेज, जनसहयोग व आस-पास के गली मौहल्ले में प्रचार-प्रसार कर गुम हुई बच्ची को मात्र एक घण्टे के अन्दर तलाश कर परिजनों के सुपुर्द किया है ।

भव्य राम बारात का जगह-जगह पुष्प वर्षा हुआ स्वागत

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

अखलेश्वर महादेव मंदिर पर आयोजित विवाह पंचमी उत्सव पर भगवान राम की भाईयों सहित जहां धूमधाम से बारात

निकाली गई, वहीं चारों भाइयों राम, भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न का विवाह संपन्न हुआ। महिलाओं ने जहां मंगलाचार किया। वहीं बारात का नगर में भ्रमण करते हुए जगह-जगह स्वागत किया गया।

जानकारी के अनुसार आदर्श रामलीला मंडल मथुरा के संयोजन में अखलेश्वर महादेव मंदिर पर विवाह पंचमी उत्सव धूमधाम से मनाया गया। मंदिर को तोरण द्वार और फूल मालाओं से सजाया गया। बारात में चारों भाई राम भरत, भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न के स्वरूप घोड़े पर सवार थे। वहीं मंदिर के विग्रह चांदी की पालकी में सवार थे। पालकी को मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी कंधों पर उठाए थे। प्रारंभ में मुख्य अतिथि महापौर प्रशांत सिंघल ने भगवान राम के स्वरूप पूजन किया।

अटलपुर आश्रम के मंडलेश्वर हितेषी बाबा ने सभी भक्तों को आशीर्वाद दिया। 'झुक जइयो तनिक रघुवीर, भजन के मध्य माँ जानकी ने राम का वरण किया। माण्डवी ने भरत का, श्रुतकीर्ति ने शत्रुघ्न का और उर्मिला ने लक्ष्मण का वरण किया। महाराजा दशरथ के रूप में मंदिर के मुख्य पुजारी चंद्रभूषण मिश्रा ने अपनी भूमिका निभाई।

इस मौके पर ट्रस्ट के मंदिर के अध्यक्ष सतीश गौड़, सचिव मनोज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष ब्रजमोहन वार्ष्णेय, प्रवीन वार्ष्णेय, ज्ञानेंद्र गुप्ता, मुकेश सिंघल, विनोद गुप्ता, सतेंद्र प्रकाश गुप्ता, आनंदस्वरूप गोयल एवं नवीन शर्मा आदि का सहयोग रहा। अखिलेश्वर महादेव मंदिर की मातृशक्ति मंडल से स्नेहलता वार्ष्णेय, सरोज वर्मा, शशी गौड़, पुष्पा गौड़, रीमा सिंघल, हेमलता अग्रवाल, अनुपमा गुप्ता, रेनू गुप्ता, गुंजन अग्रवाल, राजबाला गुप्ता, मंजू शर्मा ने कन्यादान की रस्म निभाई।

सौभाग्य से मिलता है कन्यादान का अवसर

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

न्यू रोटी बैंक संस्था सदैव ही समाज सेवा में उत्कृष्ट कार्य करती रही है और इसी श्रृंखला में आज दूसरा कन्यादान गांव गढ़मई में किया। संस्थापक नेमसिंह सोलंकी ने बताया कि गांव गढ़मई में यह दूसरा कन्यादान है।

इसमें बेटी के लिए 11 हजार रुपए, 11 साड़ियां, 11 उपहार, बर्तन, दूल्हे के लिए सूट और खाद्य सामग्री प्रीतिभोज हेतु बिटिया के परिवार को कन्यादान हेतु दी गई और बिटिया को सभी ने आशीर्वाद दिया। दुर्गेश सोलंकी, अनुपम शर्मा, ममता सिंह, मधु रानी जादौन, पूनम तोमर चौहान, भारती गौतम, हिमानी वार्ष्णेय, सुगंधि वार्ष्णेय, प्रीति गुप्ता, मीनाक्षी वार्ष्णेय, आशा गुप्ता, ज्योति शर्मा,बबली शर्मा,नीतू चौहान,धीरज सिंह, शरद चौहान, धर्मवीर राघव, बंटी ठाकुर, सुधीर कुमार, जितेंद्र चाहर, अर्चना वार्ष्णेय आदि का विशेष योगदान रहा।

आलमबाग में कानपुर रोड पर लगा दो किमी लंबा जाम

सरोजनीनगर, एजेंसी। आलमबाग के अवध चौराहे पर अंडरपास निर्माण के दौरान सोमवार शाम पेयजल पाइपलाइन फटने से सरोजनीनगर से चारबाग की ओर जाने वाला यातायात पूरी तरह रोक दिया गया। इससे कानपुर रोड पर करीब दो किलोमीटर से अधिक लंबा जाम लग गया। रात 9 बजे तक जारी जाम के चलते आपातकालीन सेवाएं भी प्रभावित हुईं।

अवध चौराहे पर बुद्धेश्वर दिशा से वीआईपी रोड को जोड़ने के लिए अंडरपास निर्माण चल रहा है। सोमवार को कार्य के दौरान पाइपलाइन फटने से सड़क धंसने की आशंका पैदा हो गई। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस और प्रशासन ने तत्काल कृष्णानगर से आलमबाग तथा चारबाग की ओर जाने वाले यातायात को पूरी तरह रोक दिया। परिणामस्वरूप सरोजनीनगर से आलमबाग की ओर जाने वाली पटरी पूरी तरह ब्लॉक हो गई। ट्रैफिक को नियंत्रित करने के लिए जगह-जगह डायवर्जन लगाया गया और वाहनों को चुंगी व शहीद पथ की ओर मोड़ा गया। इससे कानपुर रोड पर शहीद पथ तिराहा से हज हाउस तक वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जाम इतना गंभीर था कि एंबुलेंस तक घंटों तक फंसी रहीं, जिससे मरीजों को भारी असुविधा झेलनी पड़ी।

ट्रैफिक पुलिस के साथ सरोजनीनगर पुलिस भी लगातार मशक्कत करती रही, लेकिन लगातार बढ़ते दबाव के चलते रात 9 बजे तक भी यातायात सामान्य नहीं हो सका। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मार्ग को पूर्ण रूप से सुरक्षित पाए जाने के बाद ही यातायात दोबारा शुरू किया जाएगा। सरोजनीनगर के थानाध्यक्ष राजदेव प्रजापति ने बताया कि जाम नियंत्रित कर लिया गया है। तीन-चार दिन तक डायवर्जन लागू रहेगा।

जंबूरी में दिखा लघु भारत का अद्भुत रूप

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ के डिफेंस एक्सपो मैदान में सोमवार को नजारा कुछ अलग ही था। अक्सर वीरान रहने वाला यह क्षेत्र आज देश-विदेश से आए 32 हजार युवाओं की चहल-पहल से न सिर्फ गुलजार था बल्कि झूम रहा था। एक तरफ यूपी के युवा काशी की गंगा आरती कर रहे थे तो दूसरी तरफ पंजाब के युवा भंगड़ा डाल रहे थे। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी में ध्वजारोहण करते ही अटल स्टेडियम का कोना-कोना जय जंबूरी, जय जंबूरी के नारों से गूंज उठा।

राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम के साथ आयोजन की शुरुआत हुई तो 350 एकड़ में फैले मैदान में जुटे 32 हजार युवा एकसाथ झूमने लगे। सऊदी अरब, मालद्वीव और नेपाल से पहुंचे युवा भी देशभक्ति गीतों पर थिरक रहे थे। अलग-अलग रंग के परिधानों में जुटे युवा लघु भारत का स्वरूप पेश कर रहे थे। भारत माता के वीर नहीं कम, बन के हम तूफान चले। एक तिरंगे के पीछे पूरा हिंदुस्तान चले ने समा बांध दिया। सभी युवा अपने-अपने राज्य का नृत्य पेश कर रहे थे।

पंजाब की पारंपरिक युद्धकला गतका ने रोमांच भरा तो राजस्थानी घूमर ने मन मोह लिया। चक दे इंडिया की धुन पर देश-विदेश से आए रोवर-रेंजर थिरक रहे थे। यह सभी एक भारत, श्रेष्ठ भारत के साथ-साथ अनेकता में एकता का संदेश भी दे रहे थे। इसके पहले आयोजन का निरीक्षण करने निकलीं राज्यपाल का युवाओं ने जय जंबूरी-जय जंबूरी नारों से स्वागत किया।

जंबूरी का आकर्षण डायमंड जुबली परेड भी रही। राजस्थान ने इसका नेतृत्व किया। इसके पीछे सऊदी अरब, मालदीव, नेपाल स्काउट, श्रीलंका गाल गाइड एसोसिएशन, बॉयज स्काउट एसोसिएशन, भारत स्काउट एंड गाइड यूपी, आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, भारतीय रेलवे, चंडीगढ़ यूटी, छत्तीसगढ़, दिल्ली, दादरा नागर हवेली, ईस्ट कोस्ट रेलवे, ईस्ट सेंट्रल रेलवे की टीम ने किया। एक समय पूरे मैदान में सिर्फ कदमों की लयबद्ध ताल ही सुनाई दे रही थी।

उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीय मुख्यायुक्त डॉ. केके खंडेलवाल ने कहा कि यह गर्व का समय है। युवा सेवा, अनुशासन और नवाचार का मॉडल बनकर हमारे सामने खड़े हैं। आयोजन में ड्रोन शो से जहां शांति, एकता की कहानी लिखी जाएगी।

कंटेनर की विशेष केबिन में तस्करों ने छिपाया था 6.35 क्विंटल गांजा, पांच गिरफ्तार

गोरखपुर , एजेंसी। चौरीचौरा थाना क्षेत्र के दुबियारी पुल के पास रविवार रात पकड़े गए कंटेनर की विशेष कैविटी (केबिन) से एसटीएफ गोरखपुर ने 6.35 क्विंटल गांजा बरामद किया। साथ ही टीम ने पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है।

उनकी पहचान चालक सुनील राय निवासी पश्चिमी चंपारण बिहार, जितेंद्र यादव व राजू यादव निवासी मोतिहारी बिहार, नेपाल के नवराज कुलश्रेष्ठ और बिहार निवासी राजन तिवारी के रूप में हुई। सभी आरोपियों को चौरीचौरा थाने की पुलिस को सौंपा गया है। आरोपी नेपाल से गांजा लेकर बिहार जा रहे थे। मुखबिर की सूचना पर रविवार को एसटीएफ गोरखपुर यूनिट ने सोनौली बॉर्डर से कंटेनर का पीछा करना शुरू किया। लगभग 100 किलोमीटर तक पीछा करने के बाद शाम को चौरीचौरा में घेराबंदी कर कंटेनर और उसके साथ चल रही एक स्कार्पियो को रोक लिया। तलाशी में कंटेनर के केबिन के ऊपर हुड के नीचे बने विशेष प्रकार की केबिन बनाई गई थी।

इसमें 41 पैकेटों में भरा 635.5 किलो गांजा मिला। स्कार्पियो से भी कुछ मात्रा में गांजा, एक नेपाल का नंबर प्लेट, सात मोबाइल, तीन ड्राइविंग लाइसेंस, भारतीय व नेपाली मुद्रा और पैन कार्ड बरामद हुआ। गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग डेढ़ करोड़ रुपये आंकी गई है।एसटीएफ प्रभारी सत्य प्रकाश सिंह के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि नेपाल से भारी मात्रा में गांजा लेकर एक कंटेनर बिहार की ओर जा रहा है। सूचना मिलते ही एसटीएफ टीम सक्रिय हुई और कंटेनर की तलाश में सोनौली बॉर्डर से ही निगरानी शुरू कर दी।

चौरीचौरा के दुबियारी पुल के पास पुलिस और एसटीएफ ने संयुक्त अभियान चलाकर कंटेनर को रोक लिया। उसके पीछे चल रही स्कार्पियो को भी कब्जे में ले लिया। बरामद गांजा नेपाल से बिहार ले जाया जा रहा था। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में कई अहम जानकारियां मिली हैं।

जिसके आधार पर एसटीएफ इस गिरोह के अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है। बरामद गांजा को नारकोटिक्स विभाग को सौंप दिया गया है। कंटेनर और स्कार्पियो कब्जे में लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

पूछताछ में मुख्य सरगना जितेंद्र यादव ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि यह खेप उसने नेपाल निवासी अच्छेलाल यादव के साथ मिलकर मंगवाई थी।

बेकार को बेहतरीन बना रहीं हुनरबाज बेटियां

लखनऊ , एजेंसी। जिन दिव्यांग किशोरियों को कभी अपने ही लोगों ने अपनाने से इनकार कर दिया था, वही आज अपनी कला से दुनिया को नई दृष्टि दे रही हैं। कूड़े-कबाड़ को खूबसूरत कलाकृतियों में बदलकर वे न सिर्फ आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि यह संदेश भी दे रही हैं कि प्रतिभा न परिचय की मोहताज होती है, न सीमाओं की। अवसर और मार्गदर्शन मिले तो वही कचरा किसी की जिंदगी का उजाला बन सकता है।

जानकीपुरम विस्तार के सेक्टर-7 की श्रीमती नीता बहादुर रोड पर स्थित दृष्टि सामाजिक संस्था में 180 अनाथ दिव्यांग किशोरियां अपने सपनों को रंग देने का हुनर सीख रही हैं। संस्था की संचालक शालू सिंह बहादुर बताती हैं किसी की आंखें कमजोर हैं, कोई सुन नहीं पाती, तो किसी को बोलने में कठिनाई है लेकिन इनके हाथों की कला बोलती है और हर देखने वाला थम जाता है।

पुराने टायर इन किशोरियों के स्पर्श से रंगीन गार्डन पॉट बन जाते हैं। प्लास्टिक की बोतलों से वे ऐसी वॉल हैंगिंग तैयार करती हैं, जिन्हें देखते ही लोग दंग रह जाएं। खराब धातु, टूटे मोतियों और प्लास्टिक के टुकड़ों से ज्वैलरी बनाना इनके लिए किसी जादू से कम नहीं। हर कृति इनकी मेहनत, संघर्ष और रचनात्मकता की कहानी सुनाती है।

मंदिरों की दीवारों पर 'आई लव मोहम्मद' लिखने वाले आरोपियों को मिली जमानत, एक अभी भी फरार

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ में लोधा क्षेत्र के गांव बुलाकगढ़ी व भगवानपुर के मंदिरों की दीवारों पर 'आई लव मोहम्मद' लिखने वाले चारों आरोपियों को न्यायालय से जमानत मिल गई। जमानत आदेश के आधार पर चारों को जिला कारागार से रिहा भी कर दिया गया। हालांकि, पुलिस अभी इस मामले में एक आरोपी को खोज रही है।

ये घटना 24 अक्तूबर की रात हुई। जब दोनों गांवों के पांच मंदिरों की दीवारों पर धार्मिक स्लोगन लिखे गए थे। जांच करते हुए पुलिस ने 30 अक्तूबर को चार आरोपियों को जेल भेजा था। मुख्य साजिशकर्ता बुलाकगढ़ी के जीशांत के अलावा भगवानपुर के आकाश सारस्वत, दिलीप शर्मा, कथावाचक अभिषेक शास्त्री उर्फ स्वामी शामिल हैं।

वहीं, भगवानपुर का राहुल अभी फरार है। जिसे पुलिस तलाश रही है। आरोप है कि इन सभी ने गांव के मौलवी पक्ष को फंसाने की साजिश रचकर ये सब किया। इस मामले में चारों आरोपियों को सीजेएम न्यायालय से अलग-अलग दिनों में जमानत मिल गई।

साइबर ठगी हो जाए तो बिल्कुल भी न घबराएं, तुरंत मिलाएं ये हेल्पलाइन नंबर, नोट करके रख लें

आगरा , एजेंसी। आगरा के शाहगंज के चारबाग स्थित स्वामी लीला शाह आदर्श सिंधी इंटर कॉलेज में सोमवार को अमर उजाला फाउंडेशन ने पुलिस की पाठशाला का आयोजन किया। एक शिक्षक की तरह एसीपी डॉ. सुकन्या शर्मा ने विद्यार्थियों को कानून का पाठ पढ़ाया। साथ ही अपने भविष्य के साथ समाज के प्रति सजग रहने की सीख दी। यातायात नियमों की जानकारी दी और साइबर अपराध से बचने के तरीके भी बताए।

एसीपी ने कहा कि अगर किसी तरह की ठगी हो जाती है तो घबराने की जरूरत नहीं है। जिस तरह दुर्घटना में घायलों को बचाने के लिए 1 घंटे का गोल्डन आवर होता है, उसी तरह साइबर अपराध की घटना में भी गोल्डन आवर होता है। जितनी जल्दी साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत करेंगे, उतनी जल्दी पुलिस खातों को ब्लॉक कर रुपये वापस दिलाने के प्रयास करेगी।

उन्होंने कहा कि अनजान व्यक्ति कॉल करके आपसे रुपयों की मांग करता है, नौकरी लगवाने और रुपये कमाने का लालच देता है, पुलिस और सीबीआई अधिकारी बनकर धमकाता है तो समझ जाएं कि ठगी होने वाली है। ऐसे लोगों के झांसे में नहीं आए। उनकी कॉल काट दें। इसकी शिकायत पुलिस से करें। अनजान व्यक्ति को ओटीपी नहीं बताना चाहिए।एसीपी ने कहा कि अपने घर के आसपास कोई भी अपराध की घटना हो तो चुप न रहें। पुलिस से शिकायत करें। घर बैठे 112 नंबर पर कॉल करें। महिलाओं के प्रति अपराध होने पर 1090 पर कॉल करें। लखनऊ में बैठीं पुलिसकर्मी शिकायत दर्ज करेंगी। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई काम नहीं करें जिससे पुलिस के चक्कर में फंस जाएं। किसी के झगड़े में नहीं जाएं। अगर मदद चाहिए तो पुलिस को कॉल कर दें। अगर कोई लड़की मुसीबत में है तो सहायता करें। किसी घायल की मदद करने पर पुलिस भी परेशान नहीं करती है। पुलिस की पाठशाला में विद्यार्थियों ने सवाल किए। एसीपी ने उन्हें जवाब दिए। सवालों के जवाब देने वाले छात्रों को एसीपी ने अमर उजाला की पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया। पुस्तक पाने वालों में आदित्य, आकाश, तेजस्व त्यागी, कार्तिक कुमार, मुस्तकीम अली, मोहक शर्मा, शिवम और सुमित शामिल हैं। प्रधानाचार्य प्रीति नागपाल ने कहा कि पाठशाला में दी गई जानकारी महत्वपूर्ण है। पाठशाला में प्रबंध समिति के कोषाध्यक्ष जय प्रकाश धर्मानी, सदस्य हरीश टहलयानी, सुनील कर्मचंदानी, शिक्षिका रुचि यादव आदि मौजूद रहे।

लियोनेल मेसी ने रचा इतिहासः

इंटर मियामी की 4-0 से धमाकेदार जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। फुटबॉल के बादशाह लियोनेल मेसी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उम्र सिर्फ एक संख्या है और महानता कभी फीकी नहीं पड़ती।

सिनसिनाटी में खेले गए ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस सेमीफाइनल में इंटर मियामी की 4-0 की धमाकेदार जीत के साथ मेसी ने अपने करियर का एक और ऐतिहासिक मुकाम छू लिया जिसमें 1300 गोल (गोल + असिस्ट) शामिल हैं। क्लब और देश के लिए कुल मिलाकर 896 गोल और 404 असिस्ट के साथ मेसी ने अपने करियर को नए ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। यह उपलब्धि उन्हें आधुनिक फुटबॉल के इतिहास में एक अद्वितीय स्थान देती है।

मेसी का जादुई टचः गोल भी, तीन असिस्ट भी

फुटबॉल के मास्टर प्लेमेकर मेसी ने इस मैच में सिर्फ गोल ही नहीं किया, बल्कि तीन असिस्ट देकर पूरे खेल की दिशा बदल दी। मेसी का पहला असिस्ट तादेओ अलेंदे को मिला, जिसने शानदार फ़िनिश के साथ गोल किया।

57वें मिनट में मियामी के दूसरे गोल का निर्माण भी मेसी ने ही किया, सिल्वेटी के कर्लिंग शॉट पर निर्णायक पास देकर। उसके बाद 62वें और 74वें मिनट में अलेंदे ने दो और गोल दागे, दोनों पर मेसी के ही असिस्ट थे। मेसी की पासिंग, पोज़िशनिंग और क्रिएटिव विजन ने सिनसिनाटी की डिफेंस को बुरी तरह तोड़ दिया और मियामी को मैच पर पूरी तरह हावी रहने दिया। पहले हाफ में सिनसिनाटी को और से इवांडर और केविन डेन्की ने कुछ मौके बनाए, लेकिन वे बराबरी करने में असफल रहे।

एमएलएस कप फाइनल की ओर इंटर मियामी की सबसे बड़ी जीत

इंटर मियामी ने एफसी सिनसिनाटी को हराकर पहली बार रूस कप ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस फाइनल में कदम रखा। मैच की शुरुआत से ही मियामी ने आक्रामक खेल दिखाया और पजेशन पर नियंत्रण बनाए रखा। 19वें मिनट में मिला पहला गोल टीम में जोश भरने वाला साबित हुआ। माटेओ सिल्वेटी के बेहतरीन क्रॉस को मेसी ने शानदार फिनिश में बदल दिया और मियामी को बढ़त दिला दी।

इंडिया-दक्षिण अफ्रिका टेस्टः

द. अफ्रीका ने 260 पर घोषित की पारी, भारत को मिला 549 रन का लक्ष्य

- भारत की दूसरी पारी में 27 रन पर 2 विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। ट्रिस्टन स्टब्स केवल छह रन से अपने टेस्ट करियर का तीसरा शतक लगाने से चूक गए लेकिन उनकी 94 रन की आकर्षक पारी से दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार को यहां अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 260 रन पर समाप्त घोषित करके भारत के सामने दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में जीत के लिए 549 रन का मुश्किल लक्ष्य रखा। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 489 रन बनाए थे जिसके जवाब में भारत 201 रन ही बना पाया था।

इस तरह से दक्षिण अफ्रीका ने कुल 548 रन की बढ़त हासिल की। स्टब्स ने 180 गेंद का सामना करके 94 रन बनाए जिसमें नौ चौके और एक छक्का शामिल है। उन्होंने टोनी डि जॉर्जी (49) के साथ चौथे विकेट के लिए 101 रन और वियान मुल्डर (नाबाद 35) के साथ पांचवें विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी की। भारत की तरफ से रविंद्र जडेजा सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 62 रन देकर चार विकेट लिए। वाशिंगटन सुंदर ने एक विकेट लिया। भारत से पहली पारी में 288 रन से आगे रहने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका ने फॉलोऑन नहीं कराया और दूसरी पारी में खेलने का फैसला किया। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दक्षिण अफ्रीका के रेयान रिकेल्टन 13 जबकि ऐडन मारक्रम 12 रन बनाकर खेल रहे थे और कुल बढ़त 314 रन की हो गई। लंच के बाद 79वें ओवर में हार्मर ने वॉशिंगटन सुंदर को एडम मारक्रम के हाथों कैच आउटकर कर दक्षिण अफ्रीका को आठवीं सफलता दिलाई। वॉशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव के बाद आठवें विकेट के लिए 72 रनों की साझेदारी हुई। वॉशिंगटन सुंदर ने 92 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए 48 रनों की पारी खेली।

भारत का आठवां विकेट194 के स्कोर पर गिरा। इसी स्कोर पर यानसन ने एक छोर थामे जुझारू बल्लेबाजी कर रहे कुलदीप यादव को आउट कर भारत को नौवां झटका दिया।

सलमान आगा ने द्रविड़, यूसुफ और धोनी को पीछे छोड़ा, बड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड किया अपने नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के टी20 कप्तान सलमान अली आगा ने क्रिकेट इतिहास में एक बड़ा अध्याय जोड़ते हुए ऐसा रिकॉर्ड बनाया है जिसे वर्षों तक क्रिकेट दिग्गज अपने नाम नहीं कर पाए। रावलपिंडी में ज़िम्बाब्वे के खिलाफ टी20 ट्राई-सीरीज़ के चौथे मैच में मैदान पर उतरते ही उन्होंने एक कैलेंडर साल में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इस उपलब्धि के साथ सलमान आगा ने राहुल द्रविड़, मोहम्मद यूसुफ और एमएस धोनी जैसे महान नामों को पीछे छोड़ दिया। यह रिकॉर्ड उनके जबरदस्त फिटनेस वर्कलोड और लगातार प्रदर्शन का बड़ा प्रमाण है।

सलमान अली आगा ने बनाया ऐतिहासिक विश्व रिकॉर्ड

रविवार को सलमान अली आगा ने 2025 में अपना 54वां इंटरनेशनल मैच खेलकर क्रिकेट इतिहास का अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड भारत के राहुल द्रविड़ के पास था, जिन्होंने 1999 में 53 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे। मोहम्मद यूसुफ (2000) और एमएस धोनी (2007) भी इस आंकड़े तक पहुंचे, लेकिन उससे आगे नहीं जा सके। अब सलमान अली आगा इस लिस्ट में अकेले शीर्ष स्थान पर हैं, और पहली बार किसी पाकिस्तानी खिलाड़ी ने इतने बड़े रिकॉर्ड में भारतीय महान खिलाड़ियों को पछाड़ा है।

हमारे मौजूदा खिलाड़ियों को शारीरिक तौर पर और बेहतर होना होगा : साइना नेहवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन की मांगों पर खरा उतरने और प्रदर्शन में निरंतरता लाने के लिए अपनी शारीरिक फिटनेस बेहतर करने की सलाह दी है।

लंदन ओलंपिक 2012 की कांस्य पदक विजेता साइना ने बताया कि मौजूदा पीढ़ी के लिए चोटें आम बात हो गई है और महिला एकल खिलाड़ियों की नई जमात में आक्रामकता का अभाव है। लीजेंड्स विजन लीगेसी टूर इंडिया के लिए शहर में आई साइना ने कहा, 'हमें प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। हमे सात्विक-चिराग, लक्ष्य या सिंधु या आने वाले खिलाड़ियों से लगातार अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। हम नतीजे चाहिए। उन्हें अच्छे ट्रेनर और फिजियो देखने चाहिए।

अगर शरीर 100 फीसदी फिट है तो कोचिंग कठिन नहीं है। लगातार खिताब जीतने के लिए शरीर को मजबूत बनाने की कवायद में अधिक ट्रेनर और फिजियो पर फोकस करना होगा।'

साइना ने कहा, 'विक्टर एक्सेलसेन ने यही किया और कैरोलिना मारिन ने भी। मानसिक

तैयारी तो सभी की अच्छी होती है लेकिन शारीरिक तौर पर और बेहतर होने की जरूरत है।' लक्ष्य सेन ने 2025 सत्र में पहला खिताब जीता जब उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराया। साइना ने कहा, 'जीत तो जीत है जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है। उसने इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। यह अच्छा संकेत है कि वह फॉर्म में लौट रहा है।' उन्होंने कहा, 'उसने ओलंपिक में अच्छा खेला था और यहां भी। एक खिलाड़ी के तौर पर प्रशंसा और आलोचना दोनों का सामना करना पड़ता ही है। वह शीर्ष स्तर पर है और उससे लगातार जीत की अपेक्षा रहती है। वह इस समय हमारा सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी है लिहाजा अतिरिक्त दबाव है लेकिन वह अच्छा खेल रहा है। साइना और पी वी सिंधु ने कम उम्र से ही अंतरराष्ट्रीय खिताब जीतने शुरू कर दिये थे लेकिन महिला वर्ग में मौजूदा पीढ़ी की खिलाड़ी उस तरह का प्रभाव नहीं छोड़ पाई है। साइना ने कहा, 'शायद इस पीढ़ी में आक्रामकता कम है।

मैं और सिंधु अधिक आक्रामक और ताकतवर थे। हम जब 18 बरस के हुए, तब तक अच्छे नतीजे मिलने लगे थे।

ब्रिसबेन टेस्टः मिचेल स्टार्क रच सकते हैं इतिहास, वसीम अकरम पीछे छूट जाएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। एशेज 2025-26 का दूसरा टेस्ट 4 से 8 दिसंबर के बीच गाबा, ब्रिसबेन में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क इस टेस्ट में पाकिस्तान के दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम को पीछे छोड़ते हुए एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं। मिचेल स्टार्क ब्रिसबेन टेस्ट की दोनों पारियों में 3 विकेट लेने में कामयाब रहते हैं, तो वसीम अकरम को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट में बाएं हाथ के सबसे सफल तेज गेंदबाज बन जाएंगे।

मिचेल स्टार्क ने 2011 से 2025 के बीच 101 टेस्ट की 194 पारियों में 412 विकेट लिए हैं। वसीम अकरम ने 1985 से 2002 के बीच 104 टेस्ट की 181 पारियों में 414 विकेट लिए हैं। वे लंबे समय से टेस्ट फॉर्मेट में सबसे सफल बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं। अगर ब्रिसबेन में 3 विकेट लेने में स्टार्क कामयाब रहते हैं, तो उनके कुल विकेटों की संख्या 415 हो

जाएगी और वे अकरम को पीछे छोड़ देंगे। स्टार्क ब्रिसबेन में टेस्ट विकेटों के मामले में हरभजन सिंह को भी पीछे छोड़ सकते हैं। हरभजन सिंह ने 1998 से 2015 के बीच 103 टेस्ट की 190 पारियों में 417 विकेट लिए हैं। स्टार्क 6 विकेट लेकर हरभजन को पीछे छोड़ सकते हैं। मिचेल स्टार्क ने एशेज सीरीज के पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट में दोनों पारियों को मिलाकर 10 विकेट लिए थे और प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे।

स्टार्क ने पहली पारी में 58 रन देकर 7 और दूसरी पारी में 55 रन देकर 3 विकेट लिए थे। ऑस्ट्रेलिया 8 विकेट से यह मैच जीती थी। टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले तीन गेंदबाज श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन, ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉर्न और इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन हैं। मुरलीधरन ने 133 टेस्ट में 800, वॉर्न ने 145 टेस्ट में 708 और एंडरसन ने 188 टेस्ट में 704 विकेट लिए थे।

स्क्वैश विश्व कप 2025 में भारतीय टीम का हिस्सा होने पर गर्व : जोशना चिनप्पा

चेन्नई, एजेंसी। भारत की स्टार स्क्वैश खिलाड़ी जोशना चिनप्पा ने कहा है कि चेन्नई में आयोजित हो रहे विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा होने पर उन्हें गर्व है। जोशना चिनप्पा ने कहा, 'मुझे यह घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि चेन्नई में स्क्वैश विश्व कप 2025 का आयोजन होने जा रहा है। मैं विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा हूं। इसको मुझे गर्व है। मैं इसके लिए राज्य सरकार, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के साथ ही एसडीएटी को भी धन्यवाद देना चाहती हूं। हमें इनका निरंतर समर्थन मिलता रहता है।'

उन्होंने कहा कि विश्व कप में हिस्सा लेने के लिए दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी चेन्नई आ रहे हैं। इससे टूर्नामेंट का रोमांच बढ़ेगा। मैं मीडिया को भी उनके विशेष कवरेज और हमें लगातार समर्थन देने के लिए धन्यवाद करना चाहती हूं। स्क्वैश विश्व कप 2025 का आयोजन 9 से 14 दिसंबर तक होना है। विश्व कप का आयोजन विश्व स्क्वैश महासंघ द्वारा किया जाता है। विश्व कप में 5 महाद्वीपों का प्रतिनिधित्व करने वाली 12 देशों की टीमें हिस्सा लेंगी। भारत के अलावा मलेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, हांगकांग, ईरान, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, पोलैंड और स्विट्जरलैंड की टीमें हिस्सा लेंगी।

प्रत्येक टीम में दो पुरुष और दो महिला खिलाड़ी होंगे, जो चार मैचों की सर्वश्रेष्ठ-दर-पांच गेम वाली टाई लड़ेंगे।

विश्व कप भारत में स्क्वैश को लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। भारतीय स्क्वैश रैकेट्स फेडरेशन की मेजबानी में, यह टूर्नामेंट न केवल खेल कौशल का प्रदर्शन करेगा, बल्कि वैश्विक एकता का प्रतीक भी होगा। भारत ने अब तक स्क्वैश विश्व कप नहीं जीता है।

भारतीय टीम इस बार पूरी तैयारी के साथ उतर रही है। विश्व कप में इस बार जोशना चिनप्पा, तन्वी शर्मा जैसी खिलाड़ियों से टीम देश को काफी उम्मीद होगी।

पाकिस्तान ने बदला अपना फैसला, कुछ ही दिनों में हटाया इस दिग्गज पर लगा लाइफ टाइम बैन

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के स्टार एथलीट अरशद नदीम के लंबे समय से कोच रहे सलमान बट पर बड़ा फैसला लिया गया है। पिछले महीने 12 अक्टूबर को पाकिस्तान के एथलेटिक्स महासंघ ने पंजाब एथलेटिक्स संघ के संविधान का उल्लंघन करने के आरोप में लाइफ टाइम बैन लगा दिया था. वह इस संघ के अध्यक्ष थे. पाकिस्तान एमेच्योर एथलेटिक्स महासंघ ने इकबाल पर पंजाब संघ के चुनाव कराकर उल्लंघन करने का आरोप लगाया था, जो अगस्त में हुए थे. हालांकि अब इस फैसले को बदल दिया गया है.

सलमान बट पर लगा लाइफ टाइम बैन हटाः लाइफ टाइम बैन के तहत इकबाल किसी भी एथलेटिक्स गतिविधि में भाग नहीं ले सकते, न ही कोचिंग दे सकते थे और न ही किसी भी स्तर पर कोई पद संभाल सकते थे. लेकिन पाकिस्तान स्पोर्ट्स बोर्ड (पीएसबी) ने इस फैसले को रद्द कर दिया है. इस फैसले को पीएसबी की ओर से नियुक्त एडजुडिकेटर सीनेटर परवेज राशिद ने 'असंवैधानिक' करार देते हुए पलटा दिया, क्योंकि इसमें उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया था.

रोहित के साथ जायसवाल करेंगे पारी की शुरुआत, ऋतुराज के खेलने की संभावना कमः आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3 वनडे मैचों की सीरीज के लिए घोषित भारतीय टीम में सलामी बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ को लगभग 2 साल बाद मौका दिया गया है। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि गायकवाड़ को प्लेइंग इलेवन में जगह मिलने की संभावना कम है। आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'ऋतुराज गायकवाड़ ने इतने रन बनाए हैं कि उनका चयन पक्का हो गया था। अभिषेक शर्मा को भी मौका दिया जा सकता था, लेकिन यशस्वी जायसवाल को पहले मौका मिलना जरूरी है। वह इसके हकदार हैं। मुझे नहीं लगता कि ऋतुराज प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होंगे। रोहित शर्मा के साथ यशस्वी जायसवाल ही पारी की शुरुआत करेंगे।' ऋतुराज गायकवाड़ दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज में भारत ए की तरफ से खेलते हुए सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रहे थे। एक शतक और एक अर्धशतक लगाने वाले गायकवाड़ को इस सीरीज का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया था। इसी आधार पर 2023 के बाद उनकी वनडे टीम में वापसी हुई है। शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर का इंजरी की वजह से टीम में न होना भी गायकवाड़ की वापसी का कारण बना। यशस्वी जायसवाल को भी टीम में जगह दी गई है, इसलिए गायकवाड़ को शायद ही मौका मिले। हालांकि, ये भी हो सकता है कि गायकवाड़ को मध्यक्रम में मौका दे दिया जाए। गायकवाड़ ने 2022 में वनडे में डेब्यू किया था। कुल 6 मैचों में वह 115 रन बना चुके हैं।

दीप्ति शर्मा के लिए गुजरात, दिल्ली और यूपी के बीच टक्कर दिख सकती हैः अंजुम चोपड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। विमेंस प्रीमियर लीग 2026 के लिए नीलामी 27 नवंबर को दिल्ली में होनी है। इस बार नीलामी में सबकी नजरें भारतीय टीम की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा पर होंगी। भारतीय टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा का मानना है कि दीप्ति के लिए नीलामी में गुजरात जायंट्स, दिल्ली कैपिटल्स और यूपी वॉरियर्ज के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा दिख सकती है। जियोहॉटस्टार पर अंजुम चोपड़ा ने कहा, 'दीप्ति की ऑलराउंडर क्षमता उन्हें सबसे अहम खिलाड़ी बना रही है। गुजरात जायंट्स को नीलामी में दीप्ति शर्मा पर जरूर विचार करना चाहिए। दिल्ली कैपिटल्स भी उन्हें एक भारतीय खिलाड़ी के तौर पर टारगेट कर सकती है। यूपी वॉरियर्ज भी उनमें फिर से दिलचस्पी दिखा सकती है।' पूर्व भारतीय खिलाड़ी वेदा कृष्णमूर्ति ने भी दीप्ति की तारीफ करते हुए कहा कि वह एक मैच विनर हैं। बल्ले और गेंद दोनों से शानदार रही हैं। नीलामी में उनकी मांग बहुत ज्यादा होगी और कई टीमें उनके लिए बोली लगाती दिखेंगी। दीप्ति शर्मा ने महिला वनडे विश्व कप में भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी और प्लेयर ऑफ द सीरीज रही थीं।

शेफाली वर्मा ने खरीदी एमजी साइबरस्टर, कीमत? 75 लाख

नई दिल्ली, एजेंसी। 2025 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाने वाली स्टार खिलाड़ी शेफाली वर्मा ने इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स कार एमजी साइबरस्टर खरीदी है। शेफाली ने साइबरस्टर का 'एंडीज ग्रे' कलर चुना है, जो रेड कलर के कन्वर्टिबल रूफ के साथ आता है। इलेक्ट्रिक रोडस्टर की कीमत 75 लाख रुपए (एक्स-शोरूम कीमत, पैन इंडिया) है। ये भारत की पहली इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स कार है, जो फुल चार्ज में 520द्व्र चलती है। कंपनी का दावा है कि साइबरस्टर 3.2 सेकेंड में 0-100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकती है। क्रिकेट ग्राउंड पर डिलीवरी इवेंट हुआ, जहां शेफाली ने रेड कार्पेट पर कार को रिबन काटकर रिसीव किया। एमजी इंडिया ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किया, जिसमें शेफाली कार के केबिन को एक्सप्लोर करती नजर आ रही हैं।